पटना | शनिवार, 1 जून 2024 | मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 | वर्षः 5, अंकः143 | www. bordernewsmirror@gmail.com | 9471060219, 9470050309

BORDER NEWS MIRROR
BNM
to the point...
राष्ट्रीय द्विभाषिक समाचार पत्र

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

"किशोरों को तम्बाकू सेवन से ... 3 | www. bordernewsmirror.com | तमिल-तेलुगु में धूम मचा ... 8

केजरीवाल बोले-मेरे प्राण चले जाएं तो गम मत करना

- 2 को सरेंडर करूंगा, जेल में मुझे प्रताड़ित करने की फिर कोशिश होगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की 21 दिन की जमानत कल खत्म हो रही है। इससे पहले उन्होंने शुक्रवार (31 मई) को वीडियो जारी कर केंद्र सरकार और जेल अधिकारियों पर खुद को प्रताड़ित करने के आरोप लगाए हैं। उन्होंने

कहा- देश को तानाशाही से बचाने के लिए जेल जा रहा हूं। मैं परसों 3 बजे सरेंडर करूंगा। इस बार मेरे प्राण चले जाएं तो गम मत करना। जेल में मुझे प्रताड़ित करने की फिर कोशिश होगी। इन्होंने मुझे झुकाने की कोशिश पहले भी की है, लेकिन ये सफल नहीं हुए। मैं जब जेल में था तो इन्होंने मुझे बहुत प्रताड़ित किया। मेरी दवाइयां रोक दी थीं।

आरबीआई ब्रिटेन से 1 लाख किलो सोना देश वापस लाई

- दावा-इससे देश की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ब्रिटेन से 100 टन (1 लाख किलो) से ज्यादा सोना वापस भारत लेकर आई है। 1991 के बाद से पहली बार ऐसा हुआ है जब आरबीआई ने विदेश में जमा इतने बड़े पैमाने पर सोने

का भंडार निकाला हो। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक मार्च 2024 में आरबीआई के पास कुल 822.1 टन सोना था, जिसमें से 413.8 टन विदेशों में जमा था। पिछले साल की तुलना में आरबीआई का सोने का भंडार 27.5 टन बढ़ा है। आरबीआई धीरे-धीरे विदेशों में जमा सोने की मात्रा कम कर रही है और इसे वापस भारत ला रही है। ताकि देश की अर्थव्यवस्था और मजबूत हो सके।

अमेरिकी हथियारों से रूसी सेना पर हमला करेगा यूक्रेन

- राष्ट्रपति जो बाइडेन ने दी मंजूरी

कीव (एजेंसी)। रूस-यूक्रेन जंग के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने यूक्रेन को रूस के खिलाफ उसके हथियारों का इस्तेमाल करने की मंजूरी दे दी है। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, अमेरिकी अधिकारियों ने शुक्रवार (31 मई) को बताया कि इसमें यूक्रेन अमेरिकी मिसाइल का इस्तेमाल

खार्किव को रूसी सेना से बचाने के लिए कर सकता है। इसकी रेंज 300 किलोमीटर है। अमेरिकी अधिकारियों ने कहा कि यूक्रेन इन हथियारों से रूसी सेना पर सीधा हमला कर सकता है। हालांकि, इनका इस्तेमाल रूसी सीमा के अंदर नहीं होना चाहिए। रूस ने 10 मई से खार्किव में हमले तेज कर दिए थे। इसके बाद यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने अमेरिका और पश्चिमी देशों से उनके दिए गए हथियारों को रूस के खिलाफ इस्तेमाल करने की मंजूरी मांगी थी। अमेरिका को पहले डर था।

हर महीने 8000 रुपए का लालच, डाकखाने में 'लाइन'

कर्नाटक में खाता खुलवाने पहुंचीं हजारों महिलाएं, कर्मचारी परेशान

बेंगलुरु (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव के दौरान राजनीतिक दलों ने एक से एक लोकलुभावन वादे किए हैं। वहीं लोगों के बीच कई तरह की अफवाहें भी फैल गई हैं। इसी बीच बेंगलुरु के जनरल पोस्ट ऑफिस पर इन दिनों महिलाओं की भीड़ देखी जा रही है।

रोज इतनी महिलाएं नया खाता खुलवाने पहुंच रही हैं कि भीड़ को नियंत्रित करना मुश्किल हो गया। वहीं डाक विभाग को अतिरिक्त कर्मचारियों को तैनात करना पड़ गया। जानकारी के मुताबिक कुछ राजनेताओं ने वादा किया था कि वे महिलाओं के आईपीबी खाते में हर महीने 2 हजार रुपये जमा करवाएंगे। इसी बीच एक अफवाह फैली की डाकखाने की तरफ से महिलाओं के आईपीबी खाते पर 8 हजार रुपये भेजे जा रहे हैं। इसकी आखिरी तारीख भी सोमवार की बताई गई। इसके बाद पोस्ट ऑफिस में महिलाओं की भीड़ जुटनी शुरू हो गई।

देश के 8 राज्यों की 57 सीटों पर वोटिंग आज

वाराणसी से पीएम मोदी मैदान में

कंगना, रवि किशन, पवन सिंह समेत 4 ऐक्टर भी चुनाव लड़ रहे

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव-2024 के सातवें और अंतिम फेज में शनिवार (1 जून) को 7 राज्यों और 1 केंद्र शासित प्रदेश की 57 सीटों पर वोटिंग होगी। 2019 में इन सीटों में से सबसे ज्यादा भाजपा 25, टीएमसी 9, बीजद 4, जेडीयू और अपना दल (एस) 2-2, जेएमएम महज 1 सीट जीत सकी थी। कांग्रेस को केवल पंजाब की बदौलत 8 सीटों पर जीत मिली थी। इस फेज में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, 2 केंद्रीय मंत्री आरके सिंह और अनुराग ठाकुर मैदान में हैं। 4 एक्टर-

कंगना रनोट, रवि किशन, पवन सिंह, काजल निषाद भी चुनाव लड़ रहे हैं। इनके अलावा ममता के भतीजे अभिषेक बनर्जी, अफजाल अंसारी, विक्रमादित्य सिंह भी अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। चुनाव आयोग के मुताबिक इलेक्शन के सातवें फेज में 904 कैंडीडेट्स चुनाव लड़ रहे हैं। इनमें 809 पुरुष और 95 महिला उम्मीदवार हैं। इस फेज में सबसे अमीर प्रत्याशी बठिंडा, पंजाब से उम्मीदवार हरसिमरत कौर बादल हैं। उनके पास 198 करोड़ रुपए की संपत्ति है। 542 लोकसभा सीटों के लिए छठे फेज तक 485 सीटों पर मतदान हो चुका है। 1 जून को आखिरी 57 सीटों पर वोटिंग होगी। गुजरात में सूरत से भाजपा के उम्मीदवार रहे मुकेश दलाल निर्विरोध चुनाव जीत चुके हैं, इसलिए वोटिंग 542 सीटों पर ही हो रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, 199 कैंडीडेट ऐसे हैं, जिन पर क्रिमिनल केस दर्ज हैं।

बाप रे बाप! गर्मी ने तोड़े सारे रिकार्ड

नागपुर में पारा 56 तक पहुंचा, झुलस रहे लोग, देश में खलबली

नागपुर (एजेंसी)। दो दिन पहले राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के मुंगेशपुरी में तापमान 52.9 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया था। तब दिल्ली समेत पूरे देश में खलबली मच गई थी और तापमान का सर्वाधिक रिकॉर्ड दर्ज किया गया था लेकिन अब महाराष्ट्र के नागपुर ने दिल्ली को पीछे छोड़ दिया है। वहां गुरुवार यानी 30 मई को 56 डिग्री सेल्सियस तापमान रिकॉर्ड किया गया है।

यह देश में अब तक का सबसे अधिक तापमान है। इससे पहले दिल्ली में 52.9 डिग्री तापमान दर्ज किया गया था। मौसम विभाग की मानें तो नागपुर में आने वाले दिनों में गर्मी से राहत मिल सकती है। आज से केरल में मानसून के दस्तक देने का अनुमान है। इस दौरान नागपुर सहित विदर्भ के अनेक हिस्सों में बादल छाए रहने की संभावना है, जिसके बाद तापमान में 2 से 3 डिग्री की गिरावट देखी जा सकती है। 1 जून को नागपुर सहित विदर्भ के कुछ जिलों में गरज, चमक, तेज हवा की संभावना है अप्रत्याशित तरीके से तापमान में बढ़ोत्तरी से नागपुर आग की भट्टी में तब्दील हो चुका है। लोग गरमी से परेशान हैं और उन्हें ये समझ में नहीं आ रहा है कि आखिरी इतनी गर्मी क्यों और कैसे पड़ रही है। इस बीच भारत मौसम विज्ञान विभाग चिंतित हो गया है। आईएमडी ने जांच के आदेश दिए थे।

बिहार में गर्मी से 18 लोगों की मौत,चुनाव ड्यूटी पर तैनात 8 अधिकारी भी शामिल

पिछले एक-दो हफ्ते से पूरा देश भयानक गर्मी से भभक रहा है। इसी बीच बिहार में 48 घंटे के भीतर गर्मी से कम से कम 18 लोगों की मौत हुई है। जिनमें चुनाव ड्यूटी पर तैनात आठ अधिकारी भी शामिल हैं। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। राज्य आपातकालीन

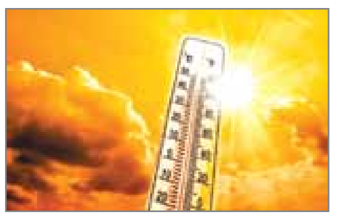

परिचालन केंद्र के अनुसार, गर्मी से संबंधित मौतों में से 11 की पुष्टि रोहतास जिले से हुई है, जबकि भोजपुर में छह और बक्सर में एक व्यक्ति की मौत की सूचना मिली है। अधिकारियों ने बताया कि रोहतास में मरने वालों में से पांच, भोजपुर में दो और बक्सर में एक व्यक्ति चुनाव ड्यूटी पर तैनात थे। सासाराम और काराकाट लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र, जिसमें रोहतास जिला शामिल है। आरा निर्वाचन क्षेत्र, जो भोजपुर जिले में है और बक्सर निर्वाचन क्षेत्र बिहार की आठ संसदीय सीटों में से हैं, जहां इस साल के आम चुनाव के अंतिम चरण में शनिवार को मतदान होगा।

गुजरात से होकर गांधी को नहीं जानते, आपको तो गोडसे पसंद

- पीएम मोदी के बयान पर जमकर भड़के कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के महात्मा गांधी को लेकर दिए बयान पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने निशाना साधा। उन्होंने कहा, पीएम मोदी गुजरात से हैं। अगर गुजरात का कोई व्यक्ति गांधी जी के बारे में नहीं जानता है और उनका प्रचार भी नहीं करता है, तो मैं क्या कह सकता हूं। आरएसस का सदस्य होने के नाते आपने अपनी विचारधारा और सिद्धांतों का प्रचार किया, मगर आपने महात्मा गांधी के लिए कुछ नहीं किया। खरगे ने सवाल उठाया कि आपने बीते 23 बरसों में क्या किया है। जब आप 13 साल तक गुजरात के सीएम थे और अब पीएम हैं। उन्होंने कहा कि आपको गोडसे अच्छा लगता, लेकिन महात्मा गांधी नहीं। प्रधानमंत्री मोदी ने एक टीवी चैनल को दिए इंटरव्यू में कहा था, महात्मा गांधी महान व्यक्ति थे। क्या इन 75 वर्षों में हमारी जिम्मेदारी नहीं थी कि हम यह सुनिश्चित करें कि महात्मा गांधी को पूरी दुनिया जाने।

मुझे अपने ही देश में खालिस्तानी, पाकिस्तानी कहा जाता है

- फारुक अब्दुल्ला को फिर याद आए अटल बिहारी वाजपेयी

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री और नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारुक अब्दुल्ला ने कहा कि पाकिस्तान के साथ बातचीत की वकालत करने पर उन्हें खालिस्तानी और अमेरिकी एजेंट कहा जाता है। हालांकि इसकी

चिंता किए बिना वह फिर कहते हैं कि जम्मू-कश्मीर में शांति के लिए पाकिस्तान से बात होनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें उम्मीद है कि लोकसभा चुनाव के परिणाम आने के बाद केंद्र की सरकार बदलने जा रही है। आने वाली सरकार जरूर पाकिस्तान के साथ बातचीत का रास्ता अपनाएगी। अब्दुल्ला ने कहा कि बातचीत करना बहुत जरूरी है।

पीएम मोदी के ध्यान के खिलाफ हाईकोर्ट पहुंची तमिलनाडु कांग्रेस

विवेकानंद रॉक के ध्यानमंडपम से पीएम की तस्वीरें सामने आईं, 1 जून तक यहीं रहेंगे

कन्याकुमारी (एजेंसी)। पीएम मोदी का कन्याकुमारी के विवेकानंद रॉक मेमोरियल में ध्यान करने का शुक्रवार को दूसरा दिन है। सुबह उनके ध्यान करने की तस्वीरें सामने आईं। वे भगवा चोला, हाथ में रुद्राक्ष की माला और माथे पर तिलक लगाए दिखे। उन्होंने सूर्य को अर्घ्य दिया, मंदिर की परिक्रमा की और ध्यान मुद्रा में बैठे। पीएम एक जून सुबह 10 बजे तक विवेकानंद रॉक मेमोरियल में रहेंगे। उधर विपक्ष मोदी के ध्यान को आचार संहिता का उल्लंघन बता रहा है। तमिलनाडु कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि पीएम अपने पद का दुरुपयोग कर रहे हैं। इसके खिलाफ मद्रास हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई है। पीएम गुरुवार शाम को कन्याकुमारी पहुंचे थे। सबसे पहले भगवती देवी अम्मन मंदिर में दर्शन-पूजन किया। पूजा के दौरान मोदी ने सफेद मुंडु (दक्षिण भारत का एक परिधान) और शॉल पहना था। पुजारियों ने उनसे विशेष आरती कराई। प्रसाद, शॉल और देवी की तस्वीर दी। तमिलनाडु कांग्रेस कमेटी ने मद्रास हाईकोर्ट में दायर याचिका में कहा है कि प्रधानमंत्री की विवेकानंद रॉक यात्रा पर कोई आपत्ति नहीं कर सकता है, लेकिन लोकसभा चुनाव 2024 के 7वें फेज के कूलिंग पीरियड के दौरान उनकी यात्रा हिंदू भावनाओं को भड़काने और अपने आधिकारिक पद का दुरुपयोग करके वोट हासिल करने की कोशिश है।

तूफानी तेजी से बढ़ रही देश की इकोनॉमी

मार्च तिमाही में 7.8 फीसदी रही जीडीपी ग्रोथ

नई दिल्ली (एजेंसी। लोकसभा चुनाव के नतीजों से पहले भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए अच्छी खबर आई है। देश की जीडीपी वृद्धि दर वित्त वर्ष 2023-24 में 8.2 प्रतिशत रही जबकि वित्त वर्ष 2022-23 में यह 7 प्रतिशत रही थी। आंकड़ों के मुताबिक, देश की जीडीपी वृद्धि दर जनवरी-मार्च तिमाही में 7.8 प्रतिशत रही जबकि एक साल पहले इसी अवधि में यह 6.2 प्रतिशत थी। भारत का ग्रॉस डोमेस्टिक प्रोडक्ट वित्त वर्ष 24 की अंतिम तिमाही में शानदार तेजी से बढ़ा है। चुनाव नतीजों से पहले जीडीपी के आंकड़े जारी हुए हैं। देश की जीडीपी मार्च तिमाही में 7.8 फीसदी की दर से बढ़ी है।

पांच महीने में ही घाटी पहुंचे

12 लाख से ज्यादा टूरिस्ट

पिछले सभी रिकॉर्ड तोड़ देगा कश्मीर,विदेशी भी खूब आ रहे

श्रीनगर (एजेंसी)। भारत का केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर इतना खूबसूरत है कि इसे धरती पर स्वर्ग कहा जाता है। यहां हर साल लाखों की संख्या में पर्यटक घूमने जाते हैं। इस साल पर्यटकों की संख्या पिछले सभी रिकॉर्ड तोड़ने वाली है। जी हां, कश्मीर में पर्यटकों की आमद पिछले सभी रिकॉर्ड तोड़ने के लिए तैयार है क्योंकि इस साल अब तक 12.5 लाख से अधिक पर्यटक यहां आ चुके हैं। स्थानीय पर्यटन विभाग के अधिकारियों ने कहा है कि अब तक 12.5 लाख से अधिक पर्यटक कश्मीर आ चुके हैं और मौजूदा रुझान को देखते हुए, वर्ष 2024 में पिछले सभी रिकॉर्ड टूटने की संभावना है। रिपोर्ट के मुताबिक, वर्तमान में, श्रीनगर

शहर के सभी स्थानीय होटल, गुलमर्ग के एक रिसॉर्ट और पहलगाम और सोनमर्ग के हिल स्टेशनों में जून के मध्य तक पूरी तरह से बुकिंग हो चुकी है। यहां एक अधिकारी ने कहा, इन जगहों पर सही में सभी होटल बुक हो चुके हैं। कश्मीर में गेस्ट हाउस, होमस्टे, डल और निगीन झीलों पर हाउसबोट और इस तरह की अन्य ठहरने की सुविधाओं पर भी यही सच्चाई है। इस साल सबसे उत्साहजनक बात यह है कि कानून-व्यवस्था की स्थिति में सुधार और शांति के कारण विदेशी पर्यटक भी अच्छी संख्या में कश्मीर आने लगे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, कश्मीर के होटलियर्स क्लब के एक सदस्य ने कहा, विदेशी पर्यटकों के कश्मीर आने से हमें विदेशी मुद्रा की प्राप्ति होती है।

इसके अलावा, अधिकांश विदेशी अधिक खर्चीले पर्यटक होते हैं, जिनका अपने रुकने के दौरान औसत खर्च औसत घरेलू पर्यटकों से अधिक होता है। हालांकि ऐसा नहीं है कि घरेलू पर्यटक अधिक खर्चीले नहीं होते हैं।

भारत आते ही हिरासत में लिए गए प्रज्वल रेवन्ना

एसआईटी ने किया गिरफ्तार, सेक्स टेप मामले में होगी पूछताछ

बेंगलुरु (एजेंसी)। सेक्स टेप केस में आरोपी प्रज्वल रेवन्ना को हिरासत में ले लिया गया है। एजेंसी ने इस बारे में एक्स पर जानकारी दी। म्यूनिख से आने वाली लुफ्थांसा एयरलाइंस की फ्लाइट देर रात बेंगलुरु के केम्पेगौड़ा हवाई अड्डे पर उतरी। इस प्लेन में हासन के सांसद प्रज्वल रेवन्ना सवार थे। प्रज्वल को एसआईटी की टीम ने पूछताछ के लिए गिरफ्तार किया है। देर रात उनके बेंगलुरु पहुंचने की संभावना थी। प्रज्वल रेवन्ना के संभावित आगमन से पहले, बेंगलुरु के केम्पेगौड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सुरक्षा बढ़ा दी गई थी। इससे पहले बुधवार को एक स्थानीय विशेष अदालत (निर्वाचित प्रतिनिधि) ने उसकी अग्रिम जमानत अर्जी खारिज कर दी। पुलिस जदएस नेता के हवाई अड्डे पर पहुंचते ही उसके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट तामील करने के लिए बिल्कुल सतर्क थी। रेवन्ना की गिरफ्तारी के बारे में एक अधिकारी ने कहा, ''रेवन्ना ने लुफ्थांसा एयरलाइंस से म्यूनिख से बेंगलुरु आने के लिए टिकट आरक्षित कराया है।

संक्षेप खबरें

88 नरसंहार के दौरान 674 लोगों की मौत के गुनहगारों पर चुप क्यों हैं तेजस्वी : जदयू

एजेंसी, पटना : बिहार लोकसभा चुनाव में नरसंहार का मुद्दा जोर-शोर से उठा है। जदयू के मुख्य प्रदेश प्रवक्ता व विधान पार्षद नीरज कुमार ने कहा कि एक जून को बिहार के जिन लोकसभा क्षेत्रों में मतदान होना है वहां हुए 88 नरसंहार के दौरान 674 लोगों की मौत के गुनहगारों पर चुप क्यों हैं तेजस्वी यादव? लालू-राबड़ी शासनकाल के दौरान प्रदेश में 118 नरसंहार हुए, जिसमें सैकड़ों लोगों की जानें गयीं। नीरज ने कहा कि नरसंहार में मारे गए लोगों के परिजनों के लिए तेजस्वी यादव के मुंह से एक शब्द नहीं निकलता है। प्रदेश की जनता तेजस्वी यादव से इन नरसंहारों का जवाब मांगती है। नीरज ने आगे कहा कि क्या तेजस्वी यादव नरसंहार में मारे गए लोगों के परिजनों के आंसू नहीं दिखाई पड़ते हैं? तेजस्वी यादव को यह बताना चाहिए कि इन नरसंहारों का गुनहगार कौन है? राज्य की जनता अभी इसे भूली नहीं है। जदयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन ने गुरुवार को कहा कि नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव को यह बताना चाहिए कि प्रति नौकरी वह कितनी जमीन लेंगे। जमीन लेकर नौकरी बांटने वाले राजद के युवराज, मामला खुलने के बाद भी गरीबों की जमीन लौटाने को तैयार नहीं हैं। राजीव रंजन ने कहा कि तेजस्वी यादव को नौकरी के वादे के साथ यह भी साफ कर देना चाहिए कि वह नौकरियों की नीलामी कैसे करेंगे? उन्हें यह बता देना चाहिए कि बिहार के युवाओं को प्रति नौकरी लालू परिवार को कितनी जमीन लिखनी पड़ेगी।

बेरोजगारी, गरीबी और महंगाई, ये तीनों मिलकर मोदी जी को चुनाव हरा रहे हैं : तेजस्वी

एजेंसी, पटना । आखिरी चरण से पहले बिहार के पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने कहा कि भाजपा को तीन महबूबाएं चुनाव हरा रही हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की तीन महबूबा हैं बेरोजगारी, गरीबी और महंगाई। ये तीनों मिलकर मोदी जी को चुनाव हरा रहे हैं। गुरुवार को चुनाव प्रचार पर निकलने से पहले पटना एयरपोर्ट पर नेता प्रतिपक्ष ने दावा किया कि देश में आईएनडीआईए को तीन सौ से अधिक सीटें आने जा रही हैं। उन्होंने कहा कि चार जून के बाद मोदी जी की विदाई तय है। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को लेकर उन्होंने कहा कि चार जून के बाद हमारे चाचा नीतीश जी कोई बड़ा निर्णय ले सकते हैं, अपनी पार्टी को बचाने के लिए। सवालिया लहजे में तेजस्वी ने कहा कि कब से हमारे चाचा जी चुनाव प्रचार में नहीं निकले हैं। प्रशासन का काम गवर्नर देख रहे हैं। अधिकारियों को बुलाकर समीक्षा कर रहे हैं। जदयू वाले अपनी सीटों पर लगे हैं और भाजपा के लोग अपनी सीटों पर लगे हैं। उन्होंने कहा ये अंतर ये चीजें दिखा रही हैं कि चार जून के बाद कुछ बड़ा होने जा रहा है। प्रधानमंत्री के कन्या कुमारी में ध्यान को लेकर कहा कि वे ध्यान लगाने नहीं, फोटो खिंचवाने और फिल्म बनवाने जा रहे हैं। पिछली बार गुफा में बैठकर फोटो खिंचवा रहे थे।

कटिहार में स्मैक के नशे में किशोरी से रेप, आरोपी की गिरफ्तारी की मांग

एजेंसी, कटिहार : कटिहार में स्मैक के नशे में धुत एक युवक ने 13 वर्षीय किशोरी से रेप किया है। यह घटना गुरुवार देर रात नगर थाना क्षेत्र के फसिया टोला की है। लोगों ने पुलिस प्रशासन से आरोपी की जल्द गिरफ्तारी की मांग की है। उधर घटना की जानकारी नगर थाना प्रभारी के साथ-साथ सदर डीएसपी अभिजीत कुमार सिंह तक पहुंची। डीएसपी घटनास्थल पर पहुंचकर पूरी वारदात की मॉनिटरिंग कर रहे हैं। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए एक टीम का गठन भी किया गया है। पीड़ित किशोरी के परिजनों ने बताया कि नगर थाना क्षेत्र के फसिया टोला में स्मैक के नशे में चूर मोहल्ले के ही युवक धीरज ने पहले तो किशोरी को बहला फुसलाकर अपने साथ घर के नजदीक बांस के एक बागान में ले गया। फिर उसके साथ गलत हरकत करने लगा। जब किशोरी ने चिल्लाना चाहा तो उसने उसके दुपट्टे से मुंह बंद कर उसके साथ रेप किया और उसे खून से लथपथ छोड़कर भाग गया। घटना के बाद किशोरी किसी तरह अपने घर पहुंची और परिजनों का सारी बात बताई। परिजन उसे लेकर अस्पताल गए जहां डॉक्टर ने गंभीर हालत देखते हुए बेहतर इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज भेज दिया है। वहीं डीएसपी अभिजीत कुमार ने बताया कि पड़ोस के ही एक युवक पर ही घर के बगल में ले जाकर नाबालिग के साथ रेप का आरोप लगा है। फिलहाल पीड़िता का इलाज चल रहा है उसकी हालत गंभीर है। उन्होंने बताया कि जल्द आरोपी की गिरफ्तारी कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पंचायतों के भीड़भाड़ वाले स्थानों पर गर्मी से राहत के लिए शुद्ध पेयजल प्याऊ की व्यवस्था है

एजेंसी, गया

गया के डीएम डॉ त्यागराजन ने बताया कि जिले के 24 प्रखंड की सभी पंचायतों में ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता और पोषण समिति के जो वार्ड सदस्य हैं। बैंक खाते में उनकी संयुक्त राशि भी है उसी राशि से पंचायतों के भीड़भाड़ वाले स्थानों, बस स्टैंड, हाट बाजार, प्रमुख चौराहों पर लोगों को इस भीषण गर्मी से थोड़ी राहत देने के लिए उन स्थानों पर शुद्ध पेयजल प्याऊ की व्यवस्था की गई है। ताकि राहगीर को शुद्ध ठंडा पेयजल मिल सके। साथ ही राहगीर को गर्मी से थोड़ी राहत मिल सके। उन्होंने बताया कि गर्मी के मौसम में लोगों को शीतल पानी पीने के लिए मिले। इसके लिए मटके में पानी रखा गया है। सभी पंचायतों में इसकी सुविधा बेहतर हो इसलिए स्थानीय लोगों की देखरेख में मटका रखा गया है। ताकि जो भी राहगीर पानी पीने के लिए पहुंचे तो उन्हें शुद्ध ठंडा पेयजल मिल सके। यह व्यवस्था पूरे गर्मी के मौसम तक रहेगी। वर्तमान में गया में कुल 500 से ऊपर स्थानों पर शीतल पानी की व्यवस्था की गई है। इनमें मुख्य रूप से टिकारी में 41 स्थान, आमस में 9 स्थान, बेलागंज में 32 स्थान, खिजर सराय में 43, मोहनपुर में 36, नगर में 32, वजीरगंज में 31, टनकुप्पा में 10, शेरघाटी में 16, परैया में 11, नीमचक बथानी 7, मानपुर 11, कोच 11, गुरुआ 22, गुरारू 13, फतेहपुर 26, डोभी 18, डुमरिया 8, बोधगया 14, बांके बाजार 11 और बाराचट्टी में 11 स्थान पर शुद्ध पेयजल के लिए प्याऊ की व्यवस्था है। जिला पदाधिकारी ने नगर आयुक्त को निर्देश दिया है कि भीषण गर्मी को देखते हुए शहरी क्षेत्र में सभी आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करें। उक्त आलोक में निगम आयुक्त द्वारा की गई पनशाला की व्यवस्था- भीषण गर्मी और लू को देखते हुए गया नगर निगम की नगर आयुक्त अभिलाषा शर्मा द्वारा शहर के सभी मुख्य चौक-चौराहा पर पनशाला की व्यवस्था की गई है। गया नगर के गांधी मैदान रैन बसेरा संख्या 1, गांधी मैदान रैन बसेरा संख्या 4, कलेक्ट्रेट के सामने, काशीनाथ मोड, नई गोदाम, आजाद पार्क, खालिस पार्क, सिकरिया मोड़, गया जंक्शन निगम स्टोर के पास, पंचायती अखाड़ा बस स्टैंड के पास, सरकारी बस स्टैंड, ग्वाल बीघा के पास है।

मतगणना केंद्र सह बज्रगृह स्थल का जिलाधिकारी ने किया निरीक्षण

बीएनएम। नालंदा

डीएम शशांक शुभंकर सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा भ्रमण कार्यक्रम के दौरान 29 नालंदा संसदीय निर्वाचन क्षेत्र अंतर्गत नालंदा कॉलेज, बिहारशरीफ में अवस्थित मतगणना -सह- बज्रगृह केंद्र का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के क्रम में संबंधित पदाधिकारी एवं संवेदक को निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि विधानसभा वार पोल्ड इवीएम रिसीविंग के दौरान जनरेटर सेट ,रौशनी, सीसीटीवी कैमरे ,वाई-फाई ,एयर कंडीशन , पंखा आदि निर्बाध रूप से क्रियाशील रखें। विधानसभा वार पोल्ड इवीएम प्राप्ति केंद्रों पर वाटर प्रूफ पंडाल,शौचालय, पेयजल, साफ सफाई आदि की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। शौचालय पेयजल स्थल तक पहुंचने के लिए साइनेज लगाएं गये है , ताकि जरूरतमंद लोग चिन्हित स्थल तक आसानी से पहुंच सके , साथ ही इन स्थलों की सफाई की समुचित व्यवस्था भी सुनिश्चित की गई है । पदाधिकारियों कर्मियों के लिए गुणवत्तापूर्ण पेयजल, कोल्ड, ड्रिंक भोजन,चाय आदि की व्यवस्था ससमय सुनिश्चित की गई है। जिला स्वास्थ्य विभाग द्वारा विधानसभा वार पोल्ड इवीएम रिसीविंग सेंटर पर हेल्थ कैंप में आवश्यक दवा सहित ओआरएस की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। इस अवसर पर विशेष कार्य पदाधिकारी गोपनीय शाखा,कार्यपालक अभियंता भवन,पीएचईडी ,जिला जनसंपर्क पदाधिकारी सहित अन्य पदाधिकारी गण उपस्थित थे।

गर्मी के कारण मिथिला विश्वविद्यालय का दीक्षांत समारोह टला

बीएनएम। दरभंगा

ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय में 11वें दीक्षांत समारोह गर्मी के कारण टल गया है। हाल ही में जून में समारोह आयोजित करने की बात कही गई थी। लेकिन अब यह संभव नहीं हो सकेगा। समारोह का आयोजन अब दिसंबर-अक्टूबर माह में ही किया जाएगा। विश्वविद्यालय में पिछले 4 वर्षों से एक भी दीक्षांत समारोह नहीं हो सका है। कई सत्रों के विद्यार्थी अपनी मूल उपाधि के लिए परेशान हैं। समारोह के आयोजन को लेकर छात्रों की जिज्ञासा अब तक शांत नहीं हो सकी है। स्नातकोत्तर सत्र 2018-20, 2019-21, 2020-22 और 2021-23 के हजारों छात्र-छात्राएं मूल उपाधि के इंतजार में हैं। अंतिम बार 10वें दीक्षांत समारोह का आयोजन 12 नवंबर 2019 को किया गया था। इसमें स्नातकोत्तर सत्र 2017-19 के छात्रों को मूल उपाधि प्रदान की गई थी। तबसे दीक्षांत समारोह नहीं होने से स्नातकोत्तर के साथ अन्य कोर्स के विद्यार्थी मूल उपाधि पाने की प्रतीक्षा में हैं। स्नातकोत्तर सत्र 2019-21 के 6 हजार छात्रों की उपाधि सालभर पूर्व ही बना ली गई थी। इसमें एमए, एमएससी, एमकॉम, एमएड, एमएससी बायोटेक्नोलाजी और एमबीए यानी कुल छह विषयों के विद्यार्थी शामिल हैं। परीक्षा नियंत्रक ने बताया कि किन किन सत्रों के कितने छात्रों को उपाधि प्रदान की जाएगी। इसको लेकर कमेटी निर्णय लेगी। परीक्षा नियंत्रक विनोद कुमार ओझा ने बताया है कि जून में दीक्षा समारोह संभव नहीं है। राजभवन को अभी प्रस्ताव ही भेजा गया है। इसके आयोजन पर अब तक कोई निर्णय नहीं लिया गया है। जल्द ही इस दिशा में बैठक की जाएगी। मिथिला विश्वविद्यालय में संभवतः सितंबर या अक्टूबर में दीक्षांत समारोह का आयोजन हो सकता है।

कट्टा बरामद, किशोर को किया गया विधि विरूद्ध निरूद्ध

बीएनएम। अकबरपुर

गुरुवार की शाम नेमदारगंज थाना की पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए एक देशी कट्टा की बरामदगी करते हुए एक किशोर को विधि विरूद्ध निरूद्ध किया गया है। किशोर महेशडीह गांव का रहने वाला है। इस बाबत पुलिस ने थाने में प्राथमिकी दर्ज की है। थानाध्यक्ष राजीव कुमार ने बताया कि 30 मई गुरुवार की शाम 7:15 सूचना मिली की महेशडीह गांव में एक व्यक्ति अपने घर में देसी कट्टा रखे हुए है। सूचना के सत्यापन और आवश्यक कार्रवाई के लिए चौकीदार व पुलिस बलों के साथ स्वाम महेशडीह गांव पहुंचे। जहां संबंधित व्यक्ति के घर की घेराबंदी की गई। पुलिस पहुंचते ही एक व्यक्ति भागने लगा । जिसे सतर्क जवानों ने पकड़ लिया। उससे पूछताछ की गई तो उसने गेहूं के कोठी में कट्टा रखने की जानकारी दी। पुलिस ने उसकी निशानदेही पर कोठी से कट्टा बरामद किया। इस बाबत शस्त्र अधिनियम की विभिन्न धाराओं में थाने में प्राथमिकी कांड संख्या 167/24 दर्ज की गई है। पुलिस ने शुरूआती जांच में पाया कि गिरफ्तार व्यक्ति नाबालिग है। 31 मई शुक्रवार को नवादा पुलिस द्वारा जारी विज्ञप्ति में बताया गया है कि अवैध शस्त्र रखने के आरोप में एक विधि विरूद्ध बालक को निरूद्ध किया गया है।

डकैती व आर्म्स एक्ट का आरोपित धराया

बीएनएम। इमामगंज

स्थानीय थाने की पुलिस ने बरसों से फरहान चल रहे एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। इस संबंध में इमामगंज थाना अध्यक्ष अमित कुमार ने बताया कि डकैती व आर्म्स एक्ट का वंचित वांछित ए अभियुक्त को शुक्रवार को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान छकरबंधा पंचायत अंतर्गत नारायणपुर गांव निवासी बबलू उर्फ अमित रवानी के रूप में किया गया है। उन्होंने बताया कि उसके ऊपर कोर्ट से वारंट निर्गत किया गया था इसके बाद से वह फरार चल रहा था। पुलिस को गुप्त सूचना मिली आरोपी घर पर ही ठहरा हुआ है। इसके बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए उसके घर से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसे गिरफ्तार करने के बाद पूछताछ के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

चुनाव ड्यूटी में लगे 3 जवान हीटवेव के हुए शिकार, 2 सदर अस्पताल में भर्ती

बीएनएम।

नालंदा : जिले में भीषण गर्मी के बीच 1 जून को होने वाले लोकसभा चुनाव के लिए तैनात पैरामिलिट्री फोर्स के तीन जवान हीटवेव का शिकार हो गए। इनमें से दो जवानों को इलाज के लिए बिहार शरीफ सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जबकि एक जवान का इलाज कल्याण बीघा स्वास्थ्य केंद्र में चल रहा है। सूचना मिलने पर सदर एसडीपीओ-2 संजय जायसवाल जवानों का हाल जानने के लिए सदर अस्पताल पहुंचे।

बीएसएफ के जवान अतर सिंह और तेग बहादुर छत्री को चुनावी ड्यूटी के लिए नालंदा जिला में प्रतिनियुक्ति पर भेजा गया था। कल होने वाले लोकसभा चुनाव के लिए तैनात किए गए जवान भीषण गर्मी का शिकार हो गए। बीएसएफ के कामांडिंग ऑफिसर रामू बहादुर ने बताया कि जवान पीठासीन पदाधिकारी के साथ बूथ पर ड्यूटी करने के लिए गए थे। उन्होंने बताया कि जवानों को लू लग गई थी। फिलहाल सभी का इलाज अस्पताल में किया जा रहा है। सीएस डॉ श्यामा राय ने बताया कि हीट बेब के मरीजों के लिए अस्पताल में इलाज के व्यापक इंतजाम है । अलग से वार्ड की भी व्यवस्था है ।

अज्ञात वाहन की चपेट में आने से बाइक सवार एक युवक की हुई मौत, दूसरा बुरी तरह घायल

आक्रोशित ग्रामीणों ने मुख्य मार्ग बिहार शरीफ बरबीघा सड़क को जाम कर दिया

बीएनएम। नालंदा

शुक्रवार की सुबह सारे थाना क्षेत्र के हरगावां मोड़ पर तेज रफ्तार अज्ञात वाहन की चपेट में आने से बाइक पर सवार दो युवक में एक युवक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई जबकि एक बुरी तरह से घायल हो गया घायल को स्थानीय लोगों की मदद से सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पुलिस पहुंची और शव को अपने कब्जे में लिया और कागजी प्रक्रिया के बाद पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल ले गई। मृतक की पहचान सिरसा गांव निवासी नरेश पासवान के 20 वर्षीय पुत्र महादेव कुमार के रूप में किया गया। गांव के ही रामविलास कुमार गंभीर रूप से जख्मी हो गया। मृतक चार भाइयों में सबसे छोटा था। परिजनों ने बताया कि मृतक युवक बाइक लेकर बरबीघा से घर के लिए सामान लेने जा रहा था।जैसे ही हरगावां मोड़ के पास बिहारशरीफ बरबिगहा मुख्य मार्ग पर पहुंचा अज्ञात वाहन की चपेट में आ गया। आस पास बैठे ग्रामीण दौड़ कर आये। घायल रामविलास को इलाज के लिए बरबीघा अस्पताल में भर्ती करवाया गया।

मृतक युवक के गांव में जैसे ही खबर पहुंची वैसे ही पूरे परिवार में सीखने चिल्लाने की आवाज गूंजने लगी। जाम की सूचना पाकर स्थानीय पुलिस पहुंची। आकर्षित ग्रामीणों को उचित मुआवजा और अन्य कार्रवाई का आश्वासन दिया जिसके बाद ग्रामीणों ने जाम को हटा दिया। वर्तमान मुखिया विजय कुमार चौधरी व पुर्व मुखिया नंदे पासवान व अन्य गणमान्य लोगों के समझाने बुझाने से जाम हटाया गया। थानाध्यक्ष धर्मेश कुमार गुप्ता ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया गया।

गेनाडीह काली मंदिर से चोरों ने कर ली दान पेटी की चोरी

बीएनएम। जमुई

गिद्धौर थाना क्षेत्र के कुंधुर पंचायत अंतर्गत गेनाडीह गांव के काली मंदिर से दान पेटी की चोरी कर लिए जाने का एक मामला प्रकाश में आया है। घटना बीते दिन बुधवार के देर रात की बताई जाती है। इस मामले में गिद्धौर पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार कर पूछताछ कर रही है। घटना की जानकारी गुरुवार को मंदिर के आसपास ग्रामीणों को मंदिर में पूजा करने के दौरान लगी। वार्ड सदस्य सूरज कुमार द्वारा मामले में लिखित आवेदन देकर गिद्धौर पुलिस से चोरों के धर पकड़ को लेकर कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। मंदिर में चोरी की इस घटना को लेकर वार्ड सदस्य सूरज कुमार ने बताया कि मंदिर में दान पेटी से प्राप्त राशि से मंदिर समिति द्वारा मंदिर विकास में उसका उपयोग किया जाता था। चोरों द्वारा दान पेटी के चुरा ले जाने की घटना से स्थानीय ग्रामीण हतप्रभ हैं। बताते चलें कि अभी हाल ही के दिनों में गिद्धौर रेलवे स्टेशन परिसर से भी बजरंगबली मंदिर में लगे दान पेटी की चोरी कर ली गई थी। आठ मई को गिद्धौर के डीके डिजिटल साइबर कैफे से भी चोरों ने छप्पर फाड़ कर डिजिटल कैमरा, डेस्कटाप, दुकान के गल्ले में रखे नकदी समेत लाखों की चोरी कर ली थी। उक्त सभी मामले में पुलिस के हाथ अब तक खाली हैं। मंदिर में लगे दानपेटी की चोरों द्वारा चोरी की घटना का सीसीटीवी फुटेज भी पुलिस के हाथ लगी है। क्षेत्र के ग्रामीणों ने स्थानीय पुलिस से लगातार चोरी की घटनाओं पर लगाम लगाने को लेकर मामले में सख्त पुलिसिया कार्रवाई की मांग की है।

भोजपुर में हीट स्ट्रोक से 5 इलेक्शन कर्मी, 2 पुलिसकर्मी समेत 10 की मौत

बीएनएम। भोजपुर

बिहार के भोजपुर जिले में इन दिनों अत्यधिक गर्मी है। यहां गुरुवार को 44 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया है लेकिन तापमान 56 डिग्री सेल्सियस महसूस किया गया। सदर अस्पताल में मरीजों की संख्या बढ़ती जा रही है। अब तक 5 इलेक्शन कर्मी, 2 पुलिसकर्मी समेत 10 लोगों की मौत हो चुकी है। हालांकि डीएम महेंद्र कुमार ने 6 लोगों के मौत की पुष्टि की है। पार्टी प्रचार के लिए आए भाकपा–माले के पार्टी अध्यक्ष की मौत के अलावा तेजस्वी की जनसभा में ड्यूटी कर रहे डायल-112 के पुलिसकर्मी की भी मौत हुई है। पहली घटना गड़हनी थाना क्षेत्र के मेला मैदान में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव की जनसभा में ड्यूटी करने गए डायल-112 पुलिसकर्मी की मौत हो गई। मृत जवान भागलपुर जिले कमरगंज गांव निवासी युगल किशोर के पुत्र विजय कुमार हैं। वह वर्तमान में पीरो डायल-112 में कार्यरत थे। मृत जवान तेजस्वी यादव के कार्यक्रम के दौरान ड्यूटी पर थे। इसी बीच उनकी अत्यधिक गर्मी के कारण तबीयत बिगड़ने लगी। उन्हें अन्य पुलिसकर्मियों की मदद से आरा सदर अस्पताल लाया गया। आरा सदर अस्पताल से गंभीर हालत में पटना रेफर कर दिया। जहां रास्ते में मौत हो गई। दूसरी घटना टाउन थाना क्षेत्र के टाउन स्कूल की है। जहां चुनाव ड्यूटी में आए एक होमगार्ड जवान की मौत हो गई। इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाने के दौरान उसने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। मृतक जवान गोपालगंज जिले के

मोहम्मदपुर थाना क्षेत्र के देवकुली गांव निवासी स्व धनराज सिंह के 59 वर्षीय पुत्र हेम नारायण सिंह थे। वहीं तीसरी घटना गड़हनी थाना क्षेत्र के गड़हनी गांव की है। जहां चुनाव ड्यूटी में ट्रेनिंग कर रहे एक पीडब्ल्यूडी विभाग के चतुर्थवर्गीय कर्मचारी की मौत हो गई। मृतक सिकरहटा थाना क्षेत्र के सिकरहटा खुर्द गांव निवासी स्व मो इस्लाम के 50 वर्षीय पुत्र मो यासीन हैं। चौथी घटना जगदीशपुर थाना क्षेत्र के ककीला गांव की है। गुरुवार को हीट स्ट्रोक के कारण नहर विभाग के क्लर्क की मौत हो गई। मृतक मुजफ्फरपुर जिला के कुढहनी थाना क्षेत्र के किशनपुरा मधुवन गांव निवासी स्व सकल देव सिंह का 50 वर्षीय पुत्र संजय कुमार है। पांचवीं घटना जगदीशपुर थाना क्षेत्र के जगदीशपुर गांव की है। जहां हीट स्ट्रोक के कारण इलेक्शन ड्यूटी में गए एक पीएचईडी विभाग के चतुर्थवर्गीय कर्मचारी की मौत हो गई। मृतक टाउन थाना क्षेत्र के शिवगंज अंबेडकर कॉलोनी निवासी प्रभु राम का 44 वर्षीय पुत्र राजेश राम है। वहीं छठी घटना संदेश थाना क्षेत्र के खंडोल गांव की है। जहां की हीट स्ट्रोक के कारण एक बुजुर्ग किसान की मौत हो गई। मृतक संदेश थाना क्षेत्र के खंडोल गांव निवासी स्व रघुनाथ शर्मा के 75 वर्षीय पुत्र बेचन शर्मा हैं। जो पेशे से किसान थे। वहीं सातवीं घटना टाउन थाना क्षेत्र के पश्चिम टोला मोहल्ले की है। जहां हीट स्ट्रोक के कारण एक युवक की मौत हो गई। इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाने के दौरान उसने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। मृतक टाउन थाना क्षेत्र के पश्चिम टोला मोहल्ला निवासी स्व मोहन लाल का पुत्र रविंद्र भूषण प्रसाद श्रीवास्तव है। आठवीं घटना आरा की है जहां पार्टी प्रचार के लिए आए भाकपा–माले के पार्टी अध्यक्ष की मौत हो गई। मृतक मोतिहारी जिला के मोतिहारी गांव निवासी 41 वर्षीय विष्णु देव प्रसाद यादव है। वे पूर्वी चंपारण के माले पार्टी में अध्यक्ष थे। नौवीं घटना जगदीशपुर थाना क्षेत्र के जगदीशपुर गांव की है। जहां इलेक्शन ड्यूटी में तैनात एक शिक्षा सेवक कर्मचारी की मौत हो गई। मृतक चौरी थाना क्षेत्र का अंधारी टोला निवासी मो इलयास हुसैन है। वे शिक्षा सेवक थे और जगदीशपुर गांव में पोलिंग ऑफिसर 3 के पद पर इलेक्शन ड्यूटी में तैनात हैं। वहीं रोहतास जिले के कोरी निवासी शिव जी सिंह की हीट स्ट्रोक के कारण मौत हो गई है। वह पेशे से बस ड्राइवर थे और चुनाव में बस चला रहे थे। बताया जाता है की मृत ड्राइवर चुनाव को लेकर अपने बस पर ड्यूटी करने गए थे। तभी अचानक उनकी मौत हो गई । भोजपुर में भीषण गर्मी की वजह से अभी भी 5 दर्जन से ज्यादा लोगों का इलाज आरा सदर अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में चल रहा है।

"किशोरों को तम्बाकू सेवन से बचाना है" थीम के साथ सदर अस्पताल में मनाया गया विश्व तंबाकू निषेध दिवस

- मुँह के कैंसर सहित अन्य बीमारियों से बचने के लिए करें तंबाकू का त्याग- डॉ. श्रवण पासवान
- नर्सिंग स्टॉफ व अस्पताल कर्मियों ने तम्बाकू सेवन न करने का लिया संकल्प

बीएनएम। मोतिहारी

जिले के सदर अस्पताल सहित कई स्वास्थ्य संस्थानों में लोगों को जागरूक करते हुए विश्व तंबाकू निषेध दिवस स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा मनाया गया। मौके पर एसीएमओ डॉ. श्रवण कुमार पासवान एवं डीएस डॉ. अवधेश कुमार ने बताया कि जिले के सभी स्वास्थ्य संस्थानों में बैनर, पोस्टर के माध्यम से लोगों को जागरूक किया गया है। उन्होंने बताया कि किशोर किशोरियों, युवाओं व आम लोगों के द्वारा तम्बाकू का सेवन किया जाना बेहद खतरनाक है। इससे मुँह के कैंसर सहित अन्य बीमारियों का खतरा बना रहता है। इसलिए इन सभी बीमारियों से बचने के लिए तंबाकू का सेवन नहीं करना चाहिए।सदर अस्पताल के ओपीडी में इस अवसर पर कैंसर की स्क्रीनिंग की गईं। जिसमें 48 से ज्यादा लोगों की मुंह, दांत एवं ओरल कैंसर की जाँच चिकित्सकों द्वारा करते हुए तम्बाकू का उपयोग न करने की सलाह दी गईं। इस अवसर पर नर्सिंग स्टॉफ व अस्पताल कर्मियों ने तम्बाकू सेवन न करने का संकल्प लिया।

तम्बाकू का सेवन स्वास्थ्य के लिए होता है हानिकारक होता है- अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. श्रवण कुमार पासवान ने बताया कि हर वर्ष 31 मई को विश्व तंबाकू निषेध दिवस मनाकर लोगों तक तम्बाकू का सेवन न करने का सन्देश पहुंचाया जाता है। इस मौके पर उन्होंने बताया कि तम्बाकू का सेवन स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होता है। युवा, मजदूर वर्ग व ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाएं भी धूम्रपान जैसे- बीड़ी, सिगरेट, का उपयोग करतीं हैं। जिसके कारण फेफड़े, गले, दांत, प्रभावित होते हैं। वहीं लोगों को इन चीजों की लत भी हो जाती है। उन्होंने बताया कि तंबाकू सेवन करने वाली महिला या पुरुषों में टीबी होने का खतरा 3 गुना ज्यादा होता है। टीबी से होने वाली मृत्यु भी 3 से 4 गुना अधिक होती है। तंबाकू सेवन से कैंसर के साथ ही टीबी की बीमारी होने की संभावना ज्यादा रहती है।

सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान करने पर लगेगा जुर्माना- तंबाकू पदार्थों के प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से विज्ञापन पर 01 से 05 वर्ष तक की कैद एवं 1000 से 5000 रुपए तक का जुर्माना देय है।18 वर्ष से कम आयु वर्ग के अवयस्कों को तंबाकू पदार्थ बेचने पर 200 रुपए तक का जुर्माना लग सकता है। बिना चित्रित या पैकेट के 85% भाग पर मुख्य रूप से न छपे वैधानिक चेतावनी के तंबाकू पदार्थ बेचने के जुर्म में 2 से 5 साल की कैद और 1000 से 10000 तक जुर्माना भी लगाया जा सकता है। उक्त मौके पर अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. श्रवण कुमार पासवान, उपाधीक्षक डॉ. अवधेश कुमार, डीसीएम नंदन झा, तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम के साइकोलोजिस्ट उत्कर्ष उज्जवल, चाँदसी कुमार,ब्रजेश कुमार,आशीष रंजन, नीतू यादव व अन्य स्वास्थ्य कर्मी मौजूद रहे।

शिक्षकों, कर्मचारियों व विद्यार्थियों के सामूहिक प्रयास से मिल सकती है बेहतर ग्रेडिंग : प्राचार्य

बीएनएम। मोतिहारी

शहर के लक्ष्मी नारायण दूबे महाविद्यालय में राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद/नैक पीयर्स टीम का विजिट शुक्रवार को दूसरे दिन भी जारी रहा।ज्ञातव्य हो कि वर्द्धमान विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल के भूगोलविद् प्राध्यापक प्रो.नारायण चंद्र जाना नैक पीयर्स टीम के अध्यक्ष हैं। कालीकट विश्वविद्यालय, मल्लपुरम, केरल के दर्शन शास्त्री विदुषी प्रो.गीताकुमारे के.के. नैक पीयर्स टीम के सदस्य समन्वयक तथा सिद्धिविनायक महिला महाविद्यालय, महाराष्ट्र की भूतपूर्व प्रधानाचार्या प्रो.पुष्पा राणाडे नैक पीयर्स टीम के सदस्य हैं। प्राचार्य प्रो.राजेश कुमार सिन्हा ने दूसरे दिन भी नैक पीयर्स टीम का औपचारिक स्वागत करते हुए कहा कि सच्चा परिश्रमी शिक्षक, कर्मचारी व विद्यार्थी एक समान गतिशील रहते हुए एक निश्चित तिथि पर पाररस्परिक सहयोग से सीजीपीए प्राप्त कर महाविद्यालय को मंजिल तक पहूंचा सकते हैं। हमारे महाविद्यालय परिवार के सभी सदस्यों के सामूहिक परिश्रम में ही अधिकतम सीजीपीए अंक व सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के बीज निहित हैं। नैक पीयर्स टीम के अध्यक्ष, सदस्य समन्वयक व सदस्य ने विभिन्न प्रकोष्ठों, विडियो रिकॉर्डिंग लैब, पीजी बिल्डिंग, व्यायामशाला, संचालित कक्षाओं व परीक्षाओं का अवलोकन किया। दूसरे दिन नैक पीयर्स टीम ने आट्र्स बिल्डिंग स्थित विडियो रिकॉर्डिंग लैब की अधिकतम उपयोगिता पर शिक्षकों को निर्देशित किया। उन्होंने आईसीटी लैब व व्यायामशाला का भी निरीक्षण किया। पीजी बिल्डिंग स्थित विभिन्न विभागों व प्रकोष्ठों में बारी-बारी से बारीकी पूर्वक निरीक्षण कर मूल्यांकन किया। राजनीति विज्ञान, इतिहास, अर्थशास्त्र, हिंदी, उर्दू, दर्शनशास्त्र, भूगोल, अंग्रेजी व गणित सहित सभी विभागों में संबंधित विभागाध्यक्षों द्वारा

नैक पीयर्स टीम का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया गया। नैक पीयर्स टीम ने एनएसएस सेल, स्पोर्ट्स सेल, प्लेसमेंट्स सेल, एल्यूमीनियाई सेल, एंटी रैगिंग सेल, एससी-एसटी, ओबीसी सेल, वीमेन सेल, मीडिया सेल, अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ, आरटीआई सहित विभिन्न प्रकोष्ठों का भ्रमण किया। नैक पीयर्स टीम सदस्य प्रो. पुष्पा राणाडे ने आरटीआई सेल के संधारित अभिलेख का अवलोकन करते हुए कही कि आरटीआई अधिनियम के अनुसार आरटीआई सेल में विभिन्न पदाधिकारियों का नाम व दुरभाष संख्या दीवार पर प्रदर्शित होनी चाहिए। आईक्यूएसी समन्वयक डॉ.पिनाकी लाहा ने महाविद्यालय मूल्यांकन के बारे में बताया कि सेकेंड साईकिल एसेसमेंट में फर्स्ट साईकिल एसेसमेंट की तुलना में बेहतर ग्रेडिंग व मार्क्स की अपेक्षा रखते हैं। सीजीपीए व ग्रेडिंग की वास्तविक जानकारी नैक द्वारा पत्र निर्गत होने के उपरांत ही पता चल पाएगा। नैक पीयर्स टीम ने संध्याकाल में शिक्षकों के साथ एक्जिट मीटिंग कर महाविद्यालय से विदा हो गए। एक्जिट के समय सामूहिक फोटोग्राफी भी हुई। राजनीति विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ.कुमार राकेश रंजन ने कहा कि यदि शिक्षक संस्कारी और छात्र आज्ञाकारी हो तो ग्रेडिंग का लक्ष्य प्राप्त हो जाता है। उन्होंने नैक मान्यता की प्रक्रियाओं का उल्लेख करते हुए यदि कोई शैक्षणिक संस्थान पात्र है तो उन्हें दस्तावेज प्रस्तुत करने पड़ते हैं। संस्थान का डेटा और रिपोर्ट, सबूत और सहायक दस्तावेज़, सत्यापित डेटा, छात्र प्रतिक्रिया व आईसीटी सक्षम शिक्षा संबंधी प्रतिवेदन नैक की आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोडिंग कर खुद को पंजीकृत कर सकते हैं। प्रारंभिक गुणवत्ता मूल्यांकन के लिए संस्थान के डेटा को संकलित और प्रस्तुत किया जाता है। संस्थानों को आईं आई क्यु ए से मंजूरी मिलने के बाद स्व-अध्ययन रिपोर्ट प्रस्तुत करनी पड़ती है। यदि आईं आई क्यु ए अस्वीकृत हो जाता है, तो संस्थान को एक वर्ष के भीतर मान्यता हेतु आवेदन करने के लिए दो और प्रयास मिलते हैं। संस्थान द्वारा प्रस्तुत डेटा का सत्यापन किया जाता है और संस्थान को प्री-क्वालिफायर स्कोर दिया जाता है। डेटा सत्यापन के बाद, छात्र संतुष्टि सर्वेक्षण आयोजित किया जाता है। नैक सहकर्मी टीम आगे के सत्यापन के लिए संस्थान का दौरा करती है और अंतिम ग्रेड प्रदान करती है।उक्त निरीक्षण के मौके पर डॉ.सुबोध कुमार, डॉ.पिनाकी लाहा, डॉ.सर्वेश दूबे, प्रो राकेश रंजन कुमार, डॉ.कुमार राकेश रंजन, डॉ.जौवाद हुसैन, डॉ.संतोष विश्नोई, डॉ.रविरंजन सिंह, डॉ. प्रभाकर कुमार, अंशकालीन अतिथि शिक्षकों की ओर से रामप्रवेश, डॉ.स्वर्णा रानी व डॉ.नीलमणि, प्रधान सहायक राजीव कुमार, लेखापाल कामेश भूषण, सहायक लेखापाल अखिलेश कुमार तथा विद्यार्थियों की ओर से मौसमी, खुशी, शिल्की, दिलीप, आरती, प्रिया, खुशबू, अदिती, अनुष्का, सोनाली सहित सभी शिक्षक/शिक्षकेत्तर कर्मी उपस्थित रहे।

मतगणना को लेकर दिया गया प्रशिक्षण

बीएनएम। मोतिहारी

आगामी 4 जून को मोतिहारी स्थित एमएस कॉलेज परिसर में होने वाले मतगणना को लेकर प्रतिनियुक्त किये गये मतगणना सहायक, मतगणना पर्यवेक्षक एवं मतगणना प्रेक्षको को बनकट स्थित सीएस डीएवी पब्लिक स्कूल में मास्टर ट्रेनरों के द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। इस दौरान मतगणना कर्मियों को सैद्धान्तिक बातों के अलावे ग्रूप बनाकर व्यवहारिक समस्याओं से भी रु-ब-रु कराया गया,ताकि मतगणना कार्य ससमय निष्पक्षतापूर्ण सम्पन्न कराया जा सके। मतगणना कर्मियों को भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों को अक्षरशः पालन करने का निर्देश भी प्रशिक्षण कोषांग के नोडल पदाधिकारी सह जिला शिक्षा पदाधिकारी संजीव कुमार द्वारा दिया गया। प्रशिक्षण कोषांग के वरीय पदाधिकारी सह एडीएम आपदा राजेश्वरी पांडेय ने बताया कि मतगणना कार्य के लिए 270 मतगणना सहायक,257 मतगणना सुपरवाइजर,254 मतगणना ऑब्जर्वर की प्रतिनियुक्ति की गई है। वही पोस्टल बैलेट के लिए 100 मतगणना सहायक,71 मतगणना पर्यवेक्षक एवं 60 मतगणना ऑब्जर्वर की प्रतिनियुक्ति की गई है। जिन्हे प्रशिक्षण दिया गया हैं। मौके पर अनुमंडल लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी, गौरव कुमार, वरीय मास्टर ट्रेनर नागेंद्र प्रसाद, रमेश कुमार एवं कमलेश कुमार सिंह उपस्थित थे।

नौकरी ! बिहार के लिए सुनहरा अवसर नौकरी !!
PS BAJAJ FINANCE WHOLESALE MARKET
प्रियांशु बाजाज
Managing Director

फाइनेंस होल सेल मार्केट लिमिटेड
बिहार में कुल रिक्त 640 सीट (लडके तथा लड़कियों के लिए)

S.No.	Position	Qualification	No. of Possession	Pay Scale
1.	Branch Manager	Graduation	40	30,000 – 35,000
2.	Finance Manager	Graduation / Intermediate	40	25,000 – 30,000
3.	Insurance Manager	Graduation / Intermediate	40	25,000 – 30,000
4.	Branch Accountant	I.Com / B.Com with Computer Knowledge	40	20,000 – 25,000
5.	Filed Officer	10th / 10th +2	160	15,000 – 20,000
6.	Store Keeper	10th	80	15,000
7.	Delivery Boy	10th	160	10,000 + Commission
8.	Supervisor	Graduation with Computer Knowledge	40	20,000 – 25,000
9.	Security Guard	Retired Home Guard Officer	40	10,000
10.	Distributer	Minimum 8th Passed	We will Provide loan of Rs. 5Lakh - 10 Lakh rupees.	10,00000
11.	Peon	Minimum 8th Passed	40	10,000 – 15,000

नोट - ऑनलाइन फॉर्म फइल करने के लिए https://psbajajholselemarket.in/career पर जाए। अधिक जानकारी के लिए हमारे हेल्पलाइन न० – Whatsapp - +91 8755711350 पर संपर्क करे।
Mobile No - +91 7324818096

*नियम एवं शर्ते लागु

संक्रमण से बचने के लिए माहवारी के वक्त सैनिटरी नैपकिन का करें प्रयोग: डीआईओ

एएनएम कॉलेज के छात्राओं का हुआ एक दिवसीय प्रशिक्षण

बीएनएम। मोतिहारी

जिले में माहवारी स्वच्छता के संदेश लोगों तक पहुंचाने के उद्देश्य से सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों व सामुदायिक स्थानों पर बैनर,पोस्टर,पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन करते हुए लोगों को जागरूक किया जा रहा है, ताकि छात्राए, युवतियां व आम महिलाए भी माहवारी स्वच्छता के संदेश से परिचित हो सकें एवं साफ-सफाई न करने से इसके होने वाले दुष्प्रभाव को जान सकें। सदर अस्पताल कैंपस स्थित एएनएम कॉलेज मे स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग, सी थ्री एवं पीरामल फाउंडेशन के सहयोग से माहवारी स्वच्छता सप्ताह के तहत सभी एएनएम छात्राओ को प्रभारी सिविल सर्जन डॉ. श्रवण कुमार पासवान,डीआईओ डॉ.शरत

चंद्र शर्मा,डीसीएम नंदन झा की उपस्थिति में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में एएनएम छात्राओं के बीच जिला प्रतिरक्षण पदाधिकारी के द्वारा माहवारी से संबंधित जानकारी देते हुए बताया गया की माहवारी एक स्वाभाविक प्रक्रिया है जिससे घबराने या भयभीत होने की आवश्यकता नहीं है बल्कि इस समय हमे अपने निजी स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। माहवारी के समय संक्रमण से बचने हेतु सैनिटरी नैपकिन के प्रयोग को बढ़ावा देने हेतु बताया। उन्होंने बताया की अब ये नैपकिन सस्ते दर पर जीविका समूह एवं अन्य संस्थानों के द्वारा उपलब्ध कराया जा रहा है। सभी छात्राओं को इस दौरान आने वाली सामान्य परेशानी के निदान के बारे में भी बताया गया।

क्विज प्रतियोगिता का हुआ आयोजन- इस अवसर पर उपस्थित छात्राओं के बीच क्विज प्रतियोगिता, पहेली की सहेली, चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमे माहवारी से संबंधित सवालों को पूछा गया और अंत में विजेता की घोषणा की गई प्रथम स्थान सुरुचि कुमारी, द्वितीय स्थान ग्रुप चार और तृतीय पुरस्कार ग्रुप छः को प्रशस्ति पत्र और इनाम के रूप में पठन सामग्री का वितरण किया गया इसके साठभी उपस्थित सभी छात्राओं को एक दिवसीय प्रशिक्षण में भाग लेने के लिए परस्ती पत्र दिया गया। इस अवसर पर सिविल सर्जन ने बच्चियों को संबोधित करते हुए बताया कि आपलोग चिकित्सा के क्षेत्र में भविष्य है और अपने घर में अपने से छोटे को माहवारी के विषय में जरूर जानकारी दे ये हर एक किशोरियों के लिए अपने जीवन का पहला कठिन अनुभव होता है, सभी किशोरियों को किशोरावस्था में ही माहवारी की जानकारी होना आवश्यक है।

PS BAJAJ FINANCE WHOLE SALE Market
QUALITY MATTERS
प्रियांशु बाजाज
नौकरी नौकरी
फाइनेंस होल सेल मार्केट लिमिटेड
Contact No.- 8755711350, 7324818096
https://psbajajholselemarket.in/career

असमय मृत्यु होने का सबसे बड़ा कारण है तम्बाकू का सेवनः डॉ मूर्तजा अंसारी

मेडिकल कॉलेज सहित जिले के सभी स्वास्थ्य केंद्रों में तम्बाकू निषेध दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

बीएनएम। बेतिया

विश्व तम्बाकू निषेध दिवस जिले के मेडिकल कॉलेज सहित सभी स्वास्थ्य केंद्रों में स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा मनाते हुए लोगों को तम्बाकू के दुष्प्रभाव के प्रति जागरूक करते हुए मनाया गया। इस अवसर पर सिविल सर्जन डॉ श्रीकांत दुबे ने बताया की तम्बाकू के अत्यधिक उपयोग से कैंसर या फेफड़े की बीमारी हो सकती है। ऐसे में लोगों को तंबाकू के सेवन से रोकने के लिए इससे होने वाले नुकसान के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से प्रति वर्ष 31 मई को दुनियाभर में विश्व तंबाकू निषेध दिवस यानी वर्ल्ड नो टोबैको डे मनाया जाता है। वहीं जिले गैर संचारी रोग पदाधिकारी डॉ मूर्तजा अंसारी ने कहा की धूम्रपान और धूम्रपान रहित तम्बाकू दोनों ही स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालते हैं और समय से पहले मृत्यु का कारण बनते हैं। भारत दुनिया भर में तीसरा सबसे बड़ा तम्बाकू उत्पादक देश और दूसरा सबसे बड़ा तम्बाकू उपभोक्ता देश है। भारत में तम्बाकू के कारण मृत्यु दर 1.3 मिलियन से अधिक होने का अनुमान है। इनमें से, दस लाख लोग तम्बाकू धूम्रपान के कारण और शेष लोग धूम्रपान रहित तम्बाकू के उपयोग के कारण होते हैं। इसके अलावा, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आई सी एम आर) द्वारा 2004 तक प्रकाशित साहित्य के विश्लेषण के आधार पर "गैर-संचारी रोगों के कारण रोगों के बोझ का आकलन" शीर्षक से किए गए अध्ययन के अनुसार, तम्बाकू के उपयोग के कारण होने वाली बीमारियों का जोखिम क्रमशः स्ट्रोक (78%), तपेदिक (65.6%), इस्केमिक हृदय रोग (85.2%), तीव्र रोधगलन (52%), एसोफैजियल कैंसर (43%), मौखिक कैंसर (38%) और फेफड़ों के कैंसर (16%) के लिए था। एनसीडीओ डॉ अंसारी ने बताया कि 'भारत में तम्बाकू से संबंधित बीमारियों के आर्थिक बोझ' पर रिपोर्ट (2014) के अनुसार, भारत में सभी गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) से संबंधित मौतों में से 80% से अधिक चार प्रमुख बीमारियों के कारण होती हैं, जैसे हृदय रोग; कैंसर; पुरानी श्वसन संबंधी बीमारियाँ और मधुमेह। भारत में तम्बाकू के कारण मृत्यु दर 13.5 लाख से अधिक होने का अनुमान है (वैश्विक वयस्क तम्बाकू सर्वेक्षण पर रिपोर्ट, 2016-17)। भारत सरकार ने लोगों को तम्बाकू छोड़ने हेतु आवश्यक जानकारी देने के लिए के लिए 1800 112 356 (टोल फ्री) पर कॉल करें या 011-22901701 पर मिस्ड कॉल करने पर इस सम्बन्ध में जानकारी दे रही है।

सिगरेट की लौ को ओठों से खींच कर नाजुक फेफड़ों को घायल क्यों करते हो- एनसीडीओ डॉक्टर मुर्तजा अंसारी ने मौके पर अपनी द्वारा लिखित कविता का उल्लेख करते हुए कहा की "सिगरेट की लो को ओंठों से खींच कर नाजुक फेफड़ों को घायल करते हो,, मरने से पहले ही मुंह में आग लेने का क्यों ट्रायल करते हो"। इस अवसर पर एनसीडी के सभी कर्मी कन्हैया, अभिषेक कुमार साइकोलॉजिस्ट (एनटीसीपी), वरुण कुमार क्लिनिकसाइकोलॉजिस्ट(एनएमएचपी) रूमान जावेद फिजियोथेरपिस्ट(एनपीसीडीसीएस) निर्दोष कुमार काउंसलर, सरिता यादव, खुशबू ओझा, अंजू मौर्य स्टाफ नर्स आदि उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

दरवाजे से बाइक की चोरी

बीएनएम। केसरिया। थाना क्षेत्र के बैशखवा से एक बाइक चोरी हो गई है। इस बाबत पीड़ित व्यक्ति बैशखवा के विजय साह ने बताया कि अपनी स्प्लेंडर बाइक से बैशखवा स्थित संचालित एक ऑर्केस्ट्रा के मालिक से मिलने गया। बाइक दरवाजे पर लगा दिया। बाहर आने पर देखा तो बाइक वहाँ नहीं थी। आसपास खोजबीन की परंतु पता नहीं लगा। इधर, पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है।

उत्क्रमित मध्य विद्यालय अकौना में चोरो ने चोरी की घटना को दिया अंजाम

बीएनएम। पकड़ीदयाल। जो चोर अब तक घरों व दुकानों में घुस कर गहने, नगद, गाड़ी और बाइक इत्यादि चोरी किया करते थे। अब वह स्कूलों में घुसकर चोरी करने लगे हैं। चोरों की नजर स्कूली बच्चों को मिलने वाली एमडीएम के अनाज पर पड़ गई है। पहले भी ऐसी घटनाएं कई बार हो चुकी है। चोरी की यह घटना पकड़ीदयाल स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय अकौना की है। जहां गुरुवार को रात्रि में अज्ञात चोरों ने विद्यालय का मेन गेट का ताला तोड़कर एमडीएम का चार बोरा चावल एवं एक बिजली का मोटर चुरा लिया और आराम से चलते बने। चोरी की घटना की जानकारी ग्रामीणों के द्वारा देने के बाद स्कूल के प्रधानाध्यापक अनिल कुमार को मिली। इसके बाद पुलिस को सूचित किया गया पुलिस घटनास्थल पर पहुंच कर मामले की जांच में जुट गई। अज्ञात चोरों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराने हेतु आवेदन दिया गया। पकड़ीदयाल थाना अध्यक्ष शकुंतला कुमारी ने कहा कि चोरी की घटना को लेकर आवेदन मिला है। जांच की जा रही है। चोरी जो भी किया हो वह बहुत जल्द चिन्हित कर सलाखों के अंदर भेजा जायेगा।

हज करने की ख्वाहिश में पैदल निकला सुल्तान बेग

2025 में मक्का पहुंच हज की नमाज पढ़ने का किया दावा

बीएनएम। मोतिहारी। जिले के सुगौली नगर निवासी 26 वर्षीय युवक सुल्तान बेग मक्का पहुंच हज करने की ख्वाहिश में अकेले पैदल निकल पड़ा है। सुगौली शहर के नौवाडीह वार्ड नंबर 3 निवासी रफुल आजम बेग का पुत्र सुल्तान बेग शुक्रवार को जुम्मे की नमाज पढ़ने के बाद अपनी पैदल यात्रा शुरू की।मौके पर मौलाना कलीमुल्लाह,डॉ कमरुज्जमा,कारी हैदर,कारी नूर आलम,मुखिया अशफाक अहमद,मो.अब्दुल्ला,कारी इमरान मौजूद रहे,जिन्होंने इस युवक की यात्रा की सलामती की दुआ की। सुल्तान बेग ने बताया कि उसका पैदल सफर बेतिया,नरकटियागंज,बगहा व वाल्मीकीनगर होते हुए यूपी दिल्ली,पंजाब बाघा बोर्डर होते हुए पाकिस्तान तक चलेगा फिर वहां से इरान के रास्ते सऊदी अरब के मक्का मदीना पहुंचेगा जहां वह हज करेगा।उसने बताया कि वह अरब तक की अपनी यात्रा 2025 में पूरा करेगा।वह प्रतिदिन 25 से 30 किलोमीटर पैदल चलेगा। इस पाक सफर में उसके घर से बेतिया तक छोड़ने के लिए परिजन,रिश्तेदार,दोस्त व पड़ोसी गये। हज को पैदल सफर कर रहे नौजवान के लिए लोगों ने दुआ की और पैगंबर-ए-आज़म हज़रत मोहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम के दरबार में सलाम पेश करने की दरख्वास्त किया। सुल्तान बेग ने कहा कि यह मेरी खुशनसीबी है कि अल्लाह और रसूल ने मुझे हज के लिए चुना। बस जल्द ही मक्का व मदीना शरीफ़ पहुंच कर परिवार और अपने मुल्क हिन्दुस्तान के लिए इबादत कर खूब दुआएं मांगेगे।

सर्पदंश से दस साल की बच्ची की मौत

बीएनएम। मोतिहारी। जिले के सुगौली थाना क्षेत्र के उत्तरी छपरा बहास पंचायत के मेहवा गांव में सांप के काटने से एक दस वर्षीय बच्ची की मौत हो गई। घटना के बाद परिजन में कोहराम मचा हुआ है। मृतका मेहवा गांव निवासी त्रिलोकी सहनी की पुत्री रंजनी कुमारी है। स्थानीय लोगो के अनुसार मृतका बगीचे में गई थी। जहां उसे सांप ने डस लिया, जिसके बाद वह घर पहुंची लेकिन परिजनों को सांप के काटे जाने की बात देर से पता चली, जिसके बाद परिजन स्थानीय ग्रामीणों के सहयोग से उसे इलाज के लिए मोतिहारी ले गए। जहां चिकित्सकों ने जांच-पड़ताल के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।उसके मरने की जानकारी मिलते हीं परिजन चीखने-चिल्लाने लगे।सर्पदंश से हुई बालिका की मौत की घटना से आस-पास के गांवों में सन्नाटा पसरा हुआ है।

जीएमसीएच गेट के सामने खुलेआम संचालित हो रहे अवैध नर्सिंग होम में कथित झोलाछाप नर्स ने ली नवजात की जान

बीएनएम। बेतिया

पश्चिमी चंपारण जिला मुख्यालय बेतिया के लगभग हर कोने-कोने में कथित झोलाछाप नर्स और डॉक्टरों का बढ़ता आतंक देखकर अब रूह कांपने लगी है। इतना ही नहीं जीएमसीएच अस्पताल के मुख्य द्वार के पास धड़ले से दर्जनों अवध नर्सिंग होम चलाए जा रहे हैं। बेतिया में संचालित अवैध नर्सिंग होम में खस्सी बकरी की तरह झोलाछाप डॉक्टर और नर्स खुलेआम इंसानों और मासूम नवजात शिशुओ की जान ले रहे है।वही इन झोलाछाप नर्सों और डॉक्टरों का आगे डिग्रीधारी डॉक्टर्स भी हाथ पे हाथ रखे इन नजारों को देखकर विवश है।हॉस्पिटल रोड स्तिथ सोकानी मेडिकल के बगल वाली गली में एक मकान में राय जांच के नाम पर एक बोर्ड लगा हुआ है। सूत्रों के अनुसार मकान के अंदर डॉ पूनम गुप्ता के नाम पर बाहर से दलाल और आशा वाले मरीज को बहला फुसलाकर ले जाते है और मौत के हवाले कर देते है।ताजा मामला आज का है ।बताया जाता है कि गोपालपुर क्षेत्र के घोघा गांव के विक्कू कुमार की पत्नी पूजा देवी का प्रसव कराने हेतु इसी कथित डॉ पूनम गुप्ता के यहाँ भर्ती किया गया और झोला छाप नर्स की लापरवाही से नवजात शिशु की मौत हो गई जहा परिजनो का रो रो कर बुरा हाल दिखा।वही परिजनो ने झोला छाप नर्स पूनम पर ईलाज में लापरवाही का आरोप लगाया।मजे की बात यह है कि डॉक्टर पूनम गुप्ता जिसका नाम लेकर मरीज को बहला फुसलाकर कर ले जाते हैं असल में वह डॉक्टर नहीं एक झोला छाप नर्स है जो गांव देहात के लोगों को बहला फुसला कर डॉ पूनम गुप्ता नाम रखकर मरीज को ले जाकर मौत के हवाले कर देते हैं।वही सूत्रों के अनुसार स्वास्थ्य विभाग की मिलीभगत से इस अवैध नर्सिंग होम का संचालन किया जाता है।वही इस मामले को देखते हुए बेतिया सिविल सर्जन को त्वरित कार्रवाई करते हुए सभी झोला छाप नर्स और डॉक्टरों का व्यवस्था कर सलाखों के पीछे भेजना चाहिए और अवैध क्लिनिक एवं दवा के दुकानों को शील कर रद्द करते हुए उचित कार्रवाई करना चाहिए।

किसानों के आधार सीडिंग में लाएं तेजी-अंचलाधिकारी

बीएनएम। बेतिया

बेतिया।लोक सभा चुनाव का समय बीत गया अब राजस्व संबंधित कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं चलेगी अबअलर्ट मूड में पोषक क्षेत्र में पहुंचकर अपने कर्तव्य एवं दायित्वों का निर्वहन निष्ठा पूर्वक करें।उक्त बातें अंचलाधिकारी राजीव रंजन ने शुक्रवार को अंचल कार्यालय में राजस्व कर्मचारियों की सप्ताहिक की बैठक की समीक्षा के दौरान कही ।उन्होंने बैठक के दौरान निर्देश दिया की किसानों का आधार सीडिंग का कार्य लक्ष्य के काफी पीछे चल रहा है उसे हर हाल में पूरा करें। वही आरटीपीएस अनुमंडल एवं जिला लोक शिकायत निवारण दाखिल खारिज परिमार्जन एवं आम जनता द्वारा दिया गया आवेदन की जांच रिपोर्ट समय पर दें।उन्होंने पंचायत वार राजस्व कार्यो का समीक्षा करते हुए गाइड लाइन जारी की इस बैठक में सभी राजस्व कर्मचारी उपस्थित थे।

डकैती की घटना की अंदेशा को लेकर सीमावर्ती पुलिस ने तेज की गस्ती

बीएनएम। मोतिहारी

सीतामढ़ी जिले के सीमा से सटे थाना क्षेत्र में हुए चार डकैती की घटना से पूर्वी चंपारण जिले के सीमावर्ती सभी थाना क्षेत्र में पुलिस गश्त तेज कर दी गई है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक सीतामढ़ी जिले के सीमा से सटे थाना क्षेत्र में अबतक अप्रैल मई में विभिन्न थाना क्षेत्र में करीब चार डकैती की घटनाएं घटित हुई है। इस बावत सिकरहना डीएसपी अशोक कुमार ने बताया कि 2023 में पूर्वी चंपारण के घोड़ासहन और भेलाही में डकैती की घटना हुई थी वहीं डकैत नहीं लग रहा है कारण कि उक्त गिरोह द्वारा उतनी बड़ी डकैती की घटना को अंजाम नहीं दिया जा रहा है। डीएसपी श्री कुमार ने संदेह व्यक्त करते हुए कहा कि हो सकता है कि ये डकैत उसी गिरोह से अलग होकर नया गिरोह बनाया हो।इसके साथ हीं कहा कि सीमा से सटे सभी थाना क्षेत्र में पुलिस गश्त तेज कर दी गई है। वहीं भारत -नेपाल सीमा पर तैनात एसएसबी के जवान द्वारा भी पूरी सतर्कता व चौकसी बरती जा रही है। नेपाल के डकैत भारतीय सीमा क्षेत्र में घुसकर कोई घटना घटित न कर सके इसके लिए नेपाल पुलिस के साथ समन्वय स्थापित कर बैठक भी की जा रही है। सीतामढ़ी में लगातार हो रही घटना की खबर मिलने के बाद सीमावर्ती क्षेत्र के लोगों में गुप्तगूं शुरू है। 21 अप्रैल 2023 में नेपाल से आए डकैतों द्वारा घोड़ासहन थाना क्षेत्र के श्रीपुर गांव में आधी रात को डकैती की घटना को अंजाम दिया था। उसके बाद भेलाही में डकैतों ने बड़ी घटना घटित किया था।उस समय सीमा क्षेत्र में डकैती की घटना से सीमावर्ती क्षेत्र के लोग सहमे हुए थें। वहीं पुलिस का कहना है कि रात के समय गांव में कुछ अनजान व्यक्ति की आवाजाही पर फौरन इसकी सूचना ग्रामीण स्थानीय पुलिस को दे ताकि पुलिस तत्परता से यथाशीघ्र कारवाई कर सके।

संपादकीय

क्यों गर्मी से उबलता देश

चिलचिलाती गर्मी के कारण देश का एक बड़ा हिस्सा फिलहाल उबल रहा है। आम चुनावों के मौसम में चर्चा के केन्द्र बिंदुओं में गर्मी की मार भी एक प्रमुख बिंदु बन गया है। मैं अभी चुनाव में अनेक क्षेत्रों में जन संपर्क अभियानों में निकल रहा हूँ। लेकिन, न तो कार्यकर्ता सुबह 6 से 9 और शाम के 7 से रात 10 के अलावा निकलने को तैयार हैं, न ही नागरिक अपने घरों का दरवाज़ा खोलकर आपके स्वागत के लिये तैयार हैं। मौसम विज्ञानियों का अनुमान है कि यह तीव्र गर्मी जून महीने तक जारी रहेगी, और "महसूस होने वाला तापमान" 49 डिग्री सेल्सियस तक पहुँच सकता है। अभी 26 मई को स्वयं मुझे पाटलिपुत्र संसदीय क्षेत्र में मध्य प्रदेश के मुख्य मंत्री डॉ० मोहन यादव के साथ और 27 मई को आरा संसदीय क्षेत्र में उत्तर प्रदेश के मुख्य मंत्री योगी आदित्यनाथ जी के साथ मात्र एक घंटे रहने का मौक़ा मिला। 44-45 डिग्री तापमान था और मंच पर बैठना भी असहनीय हो रहा था। सच में, इस भीषण गर्मी ने दैनिक जीवन को बुरी तरह प्रभावित किया है। जलवायु परिवर्तन के कारण भारत में लू की घटनाएँ तेजी से बढ़ रही हैं। यह अब लगभग पूरे देश में महसूस होने लगा है। उत्तर भारत में जहाँ कुछ क्षेत्रों में तापमान 50 डिग्री सेल्सियस के करीब पहुँच गया, यह इसका एक हालिया उदाहरण है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश और गुजरात सहित कई राज्यों के लिए रेड अलर्ट जारी किया है। आजकल जब सूरज देवता आग उगल रहे हैं, तब नौतपा शब्द बहुत सुनने में आ रहा है। कुछ लोगों को यह शब्द नया लग रहा है। हालांकि यह बात नहीं है। नौतपा वो नौ दिन होते हैं जब देश में गर्मी अपने चरम पर होती है। इसे 'नवताप' भी कहा जाता है। ये दिन साल के सबसे गर्म दिन भी होते हैं। 2024 में, नौतपा 25 मई को शुरू हुआ और 2 जून तक जारी रहेगा। नौतपा के दौरान, सूर्य सीधे मध्य भारत के ऊपर होता है, जिससे पृथ्वी और सूर्य के बीच की दूरी कम हो जाती है। इससे अधिक सीधे और तीव्र सौर विकिरण उत्पन्न होते हैं, जिससे भीषण गर्मी पड़ती है। कुछ क्षेत्रों में, खासकर राजस्थान, हरियाणा, पंजाब, मध्य प्रदेश और गुजरात में तापमान लगभग 50 सेल्सियस तक पहुँचने की उम्मीद है। हीटवेव एक लंबी अवधि की अत्यधिक गर्मी होती है जो मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण के लिए गंभीर परिणाम ला सकती है। हीटवेव के दौरान, तापमान किसी विशेष क्षेत्र और समय के लिए औसत तापमान से काफी अधिक हो जाता है। हीटवेव थकावट, स्ट्रोक और गंभीर मामलों में मृत्यु का कारण बन सकती है। याद रख लें कि हीटवेव सिर्फ उच्च तापमान नहीं होती, बल्कि असामान्य तापमान वृद्धि से परिभाषित होती है। उदाहरण के लिए, एक स्थान जहाँ गर्मियों में सामान्यतः 40 डिग्री सेल्सियस तापमान होता है, वहाँ हीटवेव नहीं मानी जाती है, भले ही तापमान 42 या 43 डिग्री तक पहुँच जाए। इसके विपरीत, एक जगह जहाँ सामान्य तापमान 27 या 28 डिग्री है, वहाँ हीटवेव मानी जाएगी यदि तापमान 35 डिग्री तक पहुँच जाए। हीटवेव तब मानी जाती है जब किसी स्टेशन का अधिकतम तापमान मैदानी इलाकों में कम से कम 40 डिग्री सेल्सियस या उससे अधिक और पहाड़ी क्षेत्रों में कम से कम 30 डिग्री सेल्सियस या उससे अधिक हो। हालांकि, यह भी ध्यान दिया जाता है कि जिस तापमान पर हीटवेव घोषित की जाती है, वह क्षेत्र की तापमान जलवायु के आधार पर अलग-अलग होता है। भारत के कुछ क्षेत्र अपने स्थान और जलवायु के कारण हीटवेव के प्रति अधिक संवेदनशील हैं। इनमें देश के उत्तर-पश्चिमी और मध्य भाग, जिनमें राजस्थान, मध्य प्रदेश और गुजरात शामिल हैं। शोधकर्ता बताते हैं कि हीटवेव तब होती है जब वायुमंडल में उच्च दबाव होता है, जो गर्म हवा को नीचे की ओर धकेलता है और इसे जमीन के पास फँसा देता है। यह उच्च दबाव प्रणाली एक ताले की तरह काम करता है जो गर्म हवा को ऊपर उठने से रोकता है, जिससे तापमान और बढ़ जाता है। जब हवा नीचे डूबती है तो वह गर्म हो जाती है, जिससे अत्यधिक गर्मी की स्थिति उत्पन्न होती है। इसके अलावा, जलवायु परिवर्तन वैश्विक मौसम पैटर्न में बदलाव करके और लंबी अवधि तक उच्च दबाव की संभावना बढ़ाकर अधिक बार और तीव्र हीटवेव में योगदान देता है। भारत में गर्मियों का तापमान आमतौर पर मई में चरम पर होता है।पाकिस्तान से आने वाली गर्म पश्चिमी हवाएं भी गर्मी में योगदान दे रही हैं।भारत के अन्य हिस्सों में, गर्मियों का तापमान पहले ही रिकॉर्ड ऊँचाई पर पहुँच चुका है, खासकर पूर्वी और दक्षिणी क्षेत्रों में, जहाँ अप्रैल का तापमान रिकॉर्ड में सबसे अधिक था। अत्यधिक गर्मी का स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है। हालिया शोध बताते हैं कि तीव्र और लंबी अवधि तक चलने वाली हीटवेव के दौरान समय से पहले जन्मों में वृद्धि होती है। हीटवेव के कारण सांस लेने में तकलीफ और श्वसन संबंधी स्थितियाँ बिगड़ने की भी जानकारी है, खासकर उन क्षेत्रों में जहाँ हवा की गुणवत्ता खराब है। उच्च तापमान हृदय और परिसंचरण तंत्र पर भी दबाव डाल सकता है, जिससे दिल का दौरा और अन्य हृदय संबंधी समस्याओं का खतरा बढ़ जाता है। यह भी ध्यान रखा जाए कि जैसे-जैसे तापमान बढ़ता है, हीटवेव के आर्थिक प्रभाव को लेकर चिंताएँ बढ़ती जा रही हैं। नकारात्मक प्रभाव केवल मानवीय पीड़ा तक सीमित नहीं हैं बल्कि आर्थिक गतिविधियों की एक विस्तृत श्रृंखला को भी प्रभावित करते हैं। हीटवेव अक्सर कार्यबल की उत्पादकता में कमी का कारण बनती है। उच्च रात के तापमान के कारण शरीर को ठंडा होना मुश्किल हो जाता है। भारत जैसे देश में, जहाँ कार्यबल का एक बड़ा हिस्सा बाहरी गतिविधियों में लगा हुआ है, परिणाम गंभीर होते हैं। लगभग 45.76% कार्यबल कृषि में कार्यरत है, जिसमें से 83% असंगठित क्षेत्र में काम कर रहे हैं। किसानों सहित बाहरी काम करने वाले लोग, गर्मी से संबंधित बीमारियों जैसे गर्मी की थकावट और हीटस्ट्रोक के प्रति विशेष रूप से कमजोर होते हैं, जिससे बार-बार ब्रेक लेना पड़ता है और उत्पादकता कम होती है। पिछले साल एक अध्ययन ने चेतावनी दी थी कि अत्यधिक गर्मी से बाहरी काम करने की क्षमता 15 फीसद तक कम हो सकती है, जिससे लाखों लोगों के जीवन स्तर में गिरावट आ सकती है और 2050 तक भारत की सकल घरेलू उत्पाग (जीडीपी) में 2.8 फीसद की गिरावट आ सकती है। सकल घरेलू उत्पाद अर्थव्यवस्था के आर्थिक प्रदर्शन का एक बुनियादी माप है, यह एक वर्ष में एक राष्ट्र की सीमा के भीतर सभी अंतिम माल और सेवाओ का बाजार मूल्य है। बहरहाल, इस गर्मी के मौसम में अपने को बचाइये। रोज खूब पानी पीजिए।

-आर.के. सिन्हा

चूहा-बिल खदान : अवैध खनन का खेल

मई 26 को असम के तिनसुकिया जिले की पाटकाई पहाड़ियों पर अवैध रूप से संचालित 'रेट होल माइंस' में दब कर तीन लोग मारे गए। विदित हो पास ही मेघालय के पूर्वी जयंतिया जिले में कोयला उत्खनन की 26 हजार से अधिक 'रेट होल माइंस' अर्थात चूहे के बिल जैसी खदानें बंद करने के लिए राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण (एनजीटी) के आदेश को दस साल हो गए हैं, लेकिन आज तक एक भी खदान बंद नहीं हुई। कुछ साल पहले सुप्रीम कोर्ट ने भी इन खतरनाक खदानों को बंद करने लेकिन पहले से निकाल लिए गए कोयले के परिवहन के आदेश दिए थे। इस काम की निगरानी के लिए मेघालय हाई कोर्ट द्वारा नियुक्त जस्टिस बीके काटके समिति ने अपनी 22वीं अंतरिम रिपोर्ट में बताया है कि किस तरह ये खदानें अभी भी मेघों का देश कहे जाने वाले प्रदेश के परिवेश में जहर घोल रही हैं। उल्लेखनीय है कि कभी दुनिया में सबसे अधिक बरसात के लिए मशहूर मेघालय में अब प्यास ने डेरा जमा लिया है। यहां नदियां जहरीली हो रही हैं, और सांस में कार्बन घुल रहा है। यह सब हो रहा है इन खतरनाक खदानों से कोयले के अवैध, निर्बाध खनन के कारण। हाई कोर्ट की कमेटी बताती है कि अभी भी अकेले पूर्वी जयंतिया जिले की चूहा-बिल खदानों के बाहर 14 लाख मीट्रिक टन कोयला पड़ा हुआ है जिसको हटाया जाना है। दस साल बाद भी इन खदानों को कैसे बंद किया जाए, इसकी 'विस्तृत कार्यान्वयन रिपोर्ट' अर्थात डीपीआर प्रारंभिक चरण में केंद्रीय खनन योजना एवं डिजाइन संस्थान लिमिटेड (सीएमपीडीआई) के पास लंबित है। एक बात और, 26 हजार की संख्या तो केवल एक जिले की है, ऐसी ही खदानों का विस्तार वेस्ट खासी हिल्स, साउथ वेस्ट खासी हिल्स और साउथ गारो हिल्स जिलों में भी है। इनकी कुल संख्या सात हजार से अधिक होगी। जस्टिस काटके की रिपोर्ट में कहा गया है,

'मेघालय पर्यावरण संरक्षण एवं पुनर्स्थापन निधि (एमईपीआरएफ) में 400 करोड़ रु पये की राशि बगैर इस्तेमाल पड़ी है, और इन खदानों के कारण हुए प्रकृति को नुकसान की भरपाई का कोई कदम उठाया नहीं गया। मेघालय में प्रत्येक एक वर्ग किलोमीटर में 52 रेट होल खदान हैं। अकेले जयंतिया हिल्स पर इनकी संख्या 26 हजार से अधिक है। असल में ये खदानें दो तरह की होती हैं। पहली किस्म की खदान बमुश्किल तीन से चार फीट की होती हैं। इनमें श्रमिक रेंग कर घुसते हैं। साइड कटिंग के जरिए मजूदर को भीतर भेजा जाता है और वे तब तक भीतर जाते हैं, जब तक उन्हें कोयले की परत नहीं मिल जाती। सनद रहे मेघालय में कोयले की परत बहुत पतली हैं, कहीं-कहीं तो महज दो मीटर मोटी। इसमें अधिकांश बच्चे ही घुसते हैं। दूसरे किस्म की खदान में आयताकार आकार में 10 से 100 वर्गमीटर माप में जमीन को काटा जाता है और फिर उसमें 400 फीट गहराई तक मजदूर जाते हैं। यहां मिलने वाले कोयले में गंधक की मात्रा ज्यादा है और इसे दोयम दर्जे का कोयला कहा जाता है। तभी यहां कोई बड़ी कंपनी खनन नहीं करती। ऐसी खदानों के मालिक राजनीतिक दलों से जुड़े हैं, और श्रमिक बांग्लादेश, नेपाल या असम से पहुंचे घुसपैठिए होते हैं। एनजीटी की रोक के बाद मेघालय की पिछली सरकार ने स्थानीय संसाधनों पर स्थानीय आदिवासियों के अधिकार के कानून के तहत इस तरह के खनन को वैध रूप देने का प्रयास किया था लेकिन कोयला खदान (राष्ट्रीयकरण) अधिनियम, 1973 की धारा 3 के तहत कोयला खनन के अधिकार, स्वामित्व आदि हित केंद्र सरकार के पास सुरक्षित हैं। सो, राज्य सरकार अवैध खनन को वैध का अमलीजामा नहीं पहना पाई। लेकिन गैर-कानूनी खनन, भंडारण और पूरे देश में इसका परिवहन चलता रहता है। आये रोज लोग मारे जाते हैं, कुछ जब्ती और गिरफ्तारियां होती हैं, और खेल जारी रहता हैं। रेट होल खनन न केवल अमानवीय है, बल्कि इसके चलते यहां से बहने वाली कोपिली नदी का अस्तित्व ही मिट सा गया है। एनजीटी ने अपने पाबंदी आदेश में कहा था कि खनन इलाकों के आसपास सड़कों पर कोयले का ढेर जमा करने से वायु, जल और मिट्टी के पर्यावरण पर बुरा असर पड़ रहा है। भले ही कुछ लोग इस तरह की खदानों पर पाबंदी से आदिवासी अस्मिता का मसला जोड़ते हों, लेकिन हकीकत सुप्रीम कोर्ट में प्रस्तुत नागरिक समूह की रिपेर्ट में बताई गई थी कि अवैध खनन में प्रशासन, पुलिस और बाहर के राज्यों के धनपति नेताओं की हिस्सेदारी है, और स्थानीय आदिवासी तो केवल शेषित श्रमिक ही हैं। सबसे ज्यादा चिंता इस बात की है कि कोयले की कालिख राज्य की जल निधियों की दुश्मन बन गई है। लुका नदी पहाड़ियों से निकलने वाली कई छोटी सरिताओं से मिल कर बनी है, इसमें लुनार नदी के मिलने के बाद इसका प्रवाह तेज होता है। इसके पानी में गंधक की उच्च मात्रा, सल्फेट, लोहा और कई अन्य जहरीली धातुओं की उच्च मात्रा और पानी में आक्सीजन की कमी पाई गई है। एक और खतरा है कि जयंतिया पहाड़ियों के गैर-कानूनी खनन से कटाव बढ़ रहा है, दलदल बढ़ने से मछलियां कम आ रही हैं। ऊपर से जब खनन का मलबा इसमें मिलता है तो जहर और गहरा जाता है। मेघालय ने गत दो दशकों में कई नदियों को नीला होते, फिर उनके जलचर मरते और आखिर में जलहीन होते देखा है। विडंबना है कि यहां प्रदूषण नियंतणबोर्ड से ले कर एनजीटी तक सभी विफल हैं। दुर्भाग्य है कि अदालत की फटकार है, पर्याप्त धन है लेकिन इन खदानों से टपकने वाले तेजाब से प्रभावित हो रहे जनमानस को कोई राहत नहीं है। यह हरियाली चाट गया, जमीन बंजर कर दी, भूजल इस्तेमाल लायक नहीं रहा और बरसात में यह पानी बह कर जब पहाड़ी नदियों में जाता है तो वहां भी तबाही ला देता है। नदी में मछलियां लुप्त हैं। मेघालय पुलिस यदा कदा अवैध कोयला की ढुलाई को लेकर मुकदमे जरूर दर्ज करती है, लेकिन ये कागजी औपचारिकता से अधिक नहीं हैं। आज जयंतिया हिल्स में असम से आए रोहिंग्या श्रमिकों की बस्तियां हैं, जो सस्ते श्रम को स्वीकार कर जान दांव पर लगा अवैध खदानों से हर रोज कोयला निकालते हैं। अभी तो मेघालय से बादलों की कृपा भी कम हो गई है, चेरापूंजी अब सर्वाधिक बारिश वाला गांव नहीं रह गया है। यदि कालिख की लोभ में नदियां भी खोदीं तो दुनिया के इस अनूठे प्राकृतिक सौंदर्य वाली धरती पर मानव जीवन भी संकट में होगा।

-पंकज चतुर्वेदी

हिन्दी पत्रकारिता : रेडियो की प्रासंगिकता बरकरार

भारत में हर दिन कुछ खास दिन के रूप में मनाने की परंपरा रही है। ठीक उसी तरह प्रत्येक वर्ष 30 मई को हिन्दी पत्रकारिता दिवस के रूप में मनाया जाता है। हिन्दी पत्रकारिता की शुरुआत 30 मई, 1826 से हुई। एक साप्ताहिक समाचार पत्र से शुरू हुआ हिन्दी पत्रकारिता का सफर आज इस मकाम तक पहुंच गया है जिसकी शायद ही कल्पना 'उदन्त मार्तण्ड' के संपादक और मालिक पंडित जुगल किशोर शुक्ल ने की होगी। आज हिन्दी पत्रकारिता के क्षेत्र में हर दिन किसी न किसी रूप में नये कीर्तिमान बन रहे हैं। पत्रकारिता का माध्यम केवल समाचारपत्रों तक सीमित न रह कर इसका क्षेत्र काफी व्यापक हो चुका है। आज इसमें इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और सोशल मीडिया से लेकर दिनोंदिन प्रसार करती पत्रकारिता अपने बेहतरीन दौर से गुजर रही है। उसी के साथ पत्रकारिता के लिए सबसे बड़ा चैलेंज है कि वह अपनी विश्वसनीयता को बरकरार रख सके। दावे से कहा जा सकता है कि आज हिन्दी पत्रकारिता दो सौ सालों बाद भी अपनी विश्वसनीयता चौबीस कैरेट सोने की तरह बचाए हुए है।

पत्रकारों के समक्ष बड़ी चुनौती रही है कि अपने बौद्धिक झुकाव से अप्रभावित होकर अपने पेशेगत दायित्व का निवर्हन करें। कहने में गुरेज नहीं कि इस कसौटी पर पत्रकार खरे उतरे हैं, और उन्होंने पूरे जज्बे के साथ पत्रकारीय भूमिका का नवर्हन किया है। उस दौर को याद करने के बाद ही जिस्म में सनसनाहट होने लगती है कि कैसे पंडित जुगल किशोर शुक्ल ने मुफलिसी और गुरबत में एक

साप्ताहिक समाचार पात्र 'उदन्त मार्तण्ड' की शुरु आत की होगी। न तो उस समय इतने संसाधन रहे होंगे और न ही आज की तरह हिन्दी पत्रकारिता में आपार संभावनाएं। लेकिन फिर भी आज से दो सौ साल पहले पंडित जुगल किशोर शुक्ल की दूरदर्शी सोच ने हिन्दी पत्रकारिता की नींव डाल कर हिन्दी भाषा के लिए एक रास्ता प्रदान किया था। आज जब बात हिन्दी पत्रकारिता की हो रही है तो यह कहना भी गलत नहीं होगा कि आज हिन्दी साहित्य युवाओं के जीवन से गायब होता जा रहा है। अब युवाओं में पढ़ने की आदत खत्म सी होने लगी है। एक समय था जब देश के नामचीन साहित्यकार ही पत्रकारिता के क्षेत्र में सेवाएं देते थे। युवाओं में साहित्य के प्रति कम होती दिलचस्पी के पीछे एक सबसे बड़ा कारण बदलते जमाने में डिजिटल होती दुनिया को भी माना जा रहा है है। बात यहां पत्रकारिता से थोड़ा बहुत मुड़ कर जब साहित्य पर आ गई है तो मेरा यह भी मानना है कि अगर कोई पत्रकारिता के क्षेत्र में आगे बढ़ना चाहता है तो सबसे पहले उसे साहित्य की समझ जरूर होनी चाहिए या कह सकते हैं कि उसे भाषा की जानकारी बहुत जरूरी है। क्योंकि यह भी सच है कि एक लेखक के पास जितने शब्दों का भंडार होगा उसकी रिपोर्ताज में उतनी ही ताकत और खूबसूरती आएगी। चूंकि अपनी बात सही ढंग से दूसरों तक पहुंचाने का सिर्फ एक माध्यम है, और वह है भाषा का माध्यम। जब बात हिन्दी पत्रकारिता की होगी तो रेडियो उससे अछूता नहीं रह सकता है। रेडियो की विश्वसनीयता समाज के हर वर्ग में आज बभी बरकरार है। रेडियो ने अपनी विश्वसनीयता को अपने प्रारंभिक दौर से लेकर आज तक मजबूती से बनाए रखा है। आप उस दौर को याद कीजिए जब भारत वर्ष में स्वतंत्रता के तुरंत बाद देश में शिक्षा का अभाव था, उस समय रेडियो समाचार और मनोरंजन का एकमात्र साधन हुआ करता था। आज भी देश के सुदूर इलाकों में रेडियो ही सूचना का एकमात्र माध्यम है। रेडियो की विश्वसनीयता और लोकप्रियता का अंदाजा इस बात से भी लगाया जा सकता है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने साप्ताहिक 'मन की बात' कार्यक्रम को जन-जन तक पहुंचाने के लिए रेडियो को ही एक माध्यम के रूप में चुना। रेडियो ने हिन्दी भाषा के प्रचार-प्रसार में भी अहम भूमिका निभाई है विशेषकर गैर-हिन्दी प्रदेशों में लोगों ने रेडियो सुन-सुन कर हिन्दी सीखी है। यह गैर-हिन्दी प्रदेशों के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है। आकाशवाणी ने भारत की करोड़ों जनता को हिन्दी से जोड़ा और प्रवासी भारतीयों को भी भारत से जोड़े रखने में अपना बड़ा योगदान दिया है। इंटरनेट के प्रसार के साथ-साथ लोगों के लिए सूचना और मनोरंजन के साधन में भी बदलाव आए हैं। मगर आज तक जो एक चीज नहीं बदली है, वह है रेडियो के प्रसारण और ट्रांजिस्टर से निकलने वलवली संगीत से घंटों चिपके लोगों की बेकरारी। इंटरनेट का जमाना है। अब तो रेडियो सुनना और भी आसान हो गया है। अगर आप किसी वजह से खबरें नहीं सुन पाए हैं, तो आज कल आकाशवाणी पर प्रसारित बुलेटिन यूट्यूब के माध्यम से सुन सकते हैं। इसके अलावा, आकाशवाणी के पुराने और विख्यात उद्घोषकों की कई ऐसी पुरानी वीडियो भी आपको सोशल मीडिया पर मिल जाएंगी जिनको सुनकार आप अनुभव कर सकते हैं कि हिन्दी भाषा का असल मायने क्या होता है।

-फरहत नाज

आज का पंचांग

01 जून को ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष की उदया तिथि नवमी और शनिवार का दिन है। नवमी तिथि शनिवार सुबह 7 बजकर 25 मिनट तक रहेगी, उसके बाद दशमी तिथि लग जाएगी। 01 जून को दोपहर बाद 3 बजकर 11 मिनट तक प्रीति योग रहेगा। साथ ही शनिवार देर रात 3 बजकर 18 मिनट तक उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र रहेगा।

आज का राशिफल

मेष : परिवार में कोई सुखद घटना घट सकती है. व्यवसाय के क्षेत्र में लोगों को व्यापार में योजनाबद्ध रूप से कार्य करने से सफलता प्राप्त होगी. महत्वपूर्ण कार्यों में सोच समझकर निर्णय ले. कार्य क्षेत्र में आ रही परेशानियां कम होगी. सहकर्मियों के साथ सहयोगात्मक व्यवहार बनाने की कोशिश करेंगे.

वृषभ : अधिक परिश्रम करने के बाद सफलता मिलेगी. विरोधी पक्ष आपकी कमजोरी का लाभ उठाने का प्रयास करेंगे. अपनी भावनाओं को सकारात्मक दिशा प्रदान करें. व्यावसायिक समस्याओं के प्रति अधिक जागरूक रहने की आवश्यकता रहेगी.

मिथुन : महत्वपूर्ण कार्य में विघ्न बाधाएं आएंगी. अपनी समस्याओं को अधिक समय तक न बढ़ने दें. उनके शीघ्र समाधान करने का प्रयास करें. अपनी निजी परिस्थितियों को ध्यान में रखकर ही महत्वपूर्ण कार्यों में कोई बना निर्णय ले. जब तक कार्य पूर्ण हो जाए तब तक उसका खुलासा न करें.

कर्क : व्यापार में आपका कोई महत्वपूर्ण कार्य पूरा होगा. जिससे व्यापार में उन्नति के साथ लाभ होगा. सुरक्षा विभाग में कार्यरत लोगों को साहस एवं पराक्रम के बल पर विशेष महत्वपूर्ण सफलता मिल सकती है. नौकरी में पदोन्नति के योग बनेंगे. किसी महत्वपूर्ण कार्य में सफलता मिलेगी. राजनीति में रोजगार प्राप्त होगा.

सिंह : दिन आपके लिए सामान्य सुखदायक रहेगा. बनते बनते कार्य में अर्चन आएंगे. सामाजिक मान प्रतिष्ठा के प्रति सजग रहने की आवश्यकता रहेगी. क्रोध से बचें. सभी से तालमेल युक्त व्यवहार बनाए रखें. नौकरी में स्थान परिवर्तन के योग हैं. कार्य क्षेत्र में उतार–चढ़ाव बना रहेगा.

कन्या : दिन आपके लिए मिश्रित फलकारक रहेगा. कार्यक्षेत्र में संघर्ष अधिक हो सकता है. व्यापारिक परिस्थितियों कुछ आपके अनुकूल रहेगी. सामाजिक क्षेत्र में नई जान पहचान बनेगी. कार्य क्षेत्र में अपने वरिष्ठ सहयोगियों के साथ तालमेल बनाने की कोशिश करें. व्यापार क्षेत्र में जुड़े हुए व्यक्तियों को अचानक धन लाभ प्राप्त होने की संभावना रहेगी.

तुला : सामान्य सुख एवं लाभदायक दिन है. बनते–बनते कार्य में अर्चन आएंगे. सामाजिक मान, प्रतिष्ठा के प्रति सजग रहने की आवश्यकता रहेगी. क्रोध से बचें. सभी से तालमेल व्यवहार बनाए रखे. रचनात्मक रूप से कार्य करने से ध्यान देने की आवश्यकता रहेगी. अपने व्यवहार को सकारात्मक रखें.

वृश्चिक : शासन सत्ता से जुड़े मामले में सफलता मिलेगी. किसी विशिष्ट व्यक्ति का सहयोग एवं सानिध्य मिलेगा. नौकरी में पदोन्नति के योग बनेंगे. बहुराष्ट्रीय कंपनियों में कार्यरत लोगों को मनचाहा कार्य करने को मिलेगा. रोजगार की तलाश कर रहे लोगों को रोजगार मिलेगा. व्यापार में मन लगाकर कार्य करें. सफलता मिलेगी.

धनु : कोर्ट कजरी के मामले में बड़ी सफलता मिलने के योग बन रहे हैं. राजनीति में वर्चस्व स्थापित होगा. कार्य क्षेत्र में रुके हुए कार्य पूरे होंगे. नौकरी में पदोन्नति मिलेगी. उच्च अधिकारियों से घनिष्ठता बढ़ेगी. व्यापार में नए सहयोगी बनेंगे. नए व्यापार अथवा दो धंधे को शुरू करने के योग बनेंगे.

मकर : कार्य क्षेत्र में ज्यादा जोखिम लेने से बचें. व्यापार में कोई ऐसी घटना कर सकती है जिससे भविष्य में बड़ा लाभ होगा. नौकरी में नौकर चाकर का सुख पड़ेगा. कोई नवीन धातु मिल सकता है. बहुराष्ट्रीय कंपनियों में कार्यरत लोगों को दूर देश पर अथवा विदेश यात्रा करने का अवसर प्राप्त होगा.

कुंभ : यात्रा के योग बनेंगे. आप किसी विपरीत लिंग साथी पर पर्यटन स्थल की चर्चा करेंगे. घर परिवार में भोग विलास सामग्री को खरीद कर लाएंगे. व्यापार में कठिन परिश्रम के अनुपात में कम धन लाभ होने से मन खिन्न रहेगा. नौकरी में आपको झूठा आरोप लगाने पर महत्वपूर्ण पद से हटाया जा सकता है.

मीन : बहुराष्ट्रीय कंपनियों में कार्यरत लोगों को पदोन्नति मिलेगी. अपने आप को मनचाहा कार्य करने को मिलेगा. उद्योग धंधे की योजना अमल में आएगी. फोर्स से जुड़े लोगों को अपने साहस व पराक्रम के बल पर बड़ी सफलता मिलेगी. राजनीति में अपार जन समर्थन मिलने से आपके प्रभाव में वृद्धि होगी. वाणी से किसी को कटु वचन ना कहें.

कई मायनों में बेहद शुभ है शनि जयंती, ऐसे करें रवि पुत्र को प्रसन्न

शनि जयंती के दिन भगवान शनि की पूजा होती है। उन्हें सेवा और व्यापार जैसे कर्मों का स्वामी माना जाता है। ऐसी मान्यता है कि उनकी पूजा करने से जीवन में खुशियों का आगमन होता है। साथ ही कुंडली से अशुभ ग्रहों का प्रभाव समाप्त होता है तो चलिए उन्हें प्रसन्न करने के लिए कुछ ज्योतिष उपाय जानते हैं –

हिंदू धर्म में शनि देव की पूजा बहुत शुभ मानी जाती है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, उनकी पूजा करने से अक्षय फलों की प्राप्ति होती है। साथ ही जीवन में अन्याय का सामना नहीं करना पड़ता है। वे कर्मों के आधार पर सभी के साथ न्याय करते हैं, इसलिए उन्हें कर्मफल दाता भी कहा जाता है। शनि जयंती के दिन भगवान शनि की पूजा का विशेष महत्व है। इस बार शनि जयंती 6 जून, 2024 को मनाई जाएगी। ऐसी मान्यता है, जो लोग इस दिन भाव के साथ रवि पुत्र की पूजा करते हैं उन्हें मनचाहा वरदान प्राप्त होता है।

शनि जयंती क्यों है इस बार खास?

शनि जयंती इस साल 6 जून को मनाई जा रही है। इस दिन कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि पड़ रही है। इस दौरान सर्वार्थ सिद्धि योग का निर्माण हो रहा है। इसके अलावा इसी दिन वट सावित्री का पर्व मनाया जाएगा। ऐसे में इन विशेष तिथियों का एक साथ पड़ना बेहद ही शुभ संयोग माना जा रहा है, जिसके चलते शनि जयंती इस बार अपने आप में बेहद खास होने वाली है।

शनिदेव की ऐसे प्राप्त करें कृपा

ऐसी मान्यता है कि भगवान शनि देव का जन्म इसी दिन और सर्वाथ सिद्धि योग में ही हुआ था। ऐसे में शनि जयंती न्याय के देवता के जन्म का प्रतीक मानी जाती है। सुबह उठकर स्नान के बाद भगवान शनि देव की विधि अनुसार पूजा करें। पीपल के वृक्ष पर प्रात- ही जल चढ़ाएं।

इसके साथ ही शाम के समय उनके समक्ष और पीपल के नीचे सरसों के तेल का दीपक जलाएं। ऐसा करने से शनि देव प्रसन्न होते हैं। साथ ही सभी कार्यों में सिद्धी प्राप्त होती है।

पूजा की विधि

- प्रातः काल उठकर नित्यकर्म से निवृत्त होकर पूजा स्थान की सफाई करें।
- किसी लकड़ी के पाट पर काला या लाल वस्त्र लेकर बिछाएं और उस पर शनिदेव की मूर्ति या तस्वीर स्थापित करें।
- अब शनिदेव की मूर्ति या तस्वीर के समक्ष दीप प्रज्वलित करें।
- अब शनिदेव की मूर्ति या तस्वीर पर तेल, फूल माला और प्रसाद अर्पित करें। फिर उनके चरणों में काली उड़द और तिल चढ़ाएं। पंचोपचार या षोडोपचार पूजा करें।
- इसके शनि चालीसा का पाठ करें और व्रत का संकल्प लें।
- इसके बाद शनिदेव की आरती उतारें और प्रसाद का वितरण करें। शाम को भी चालीसा पढ़ें और आरती करें।

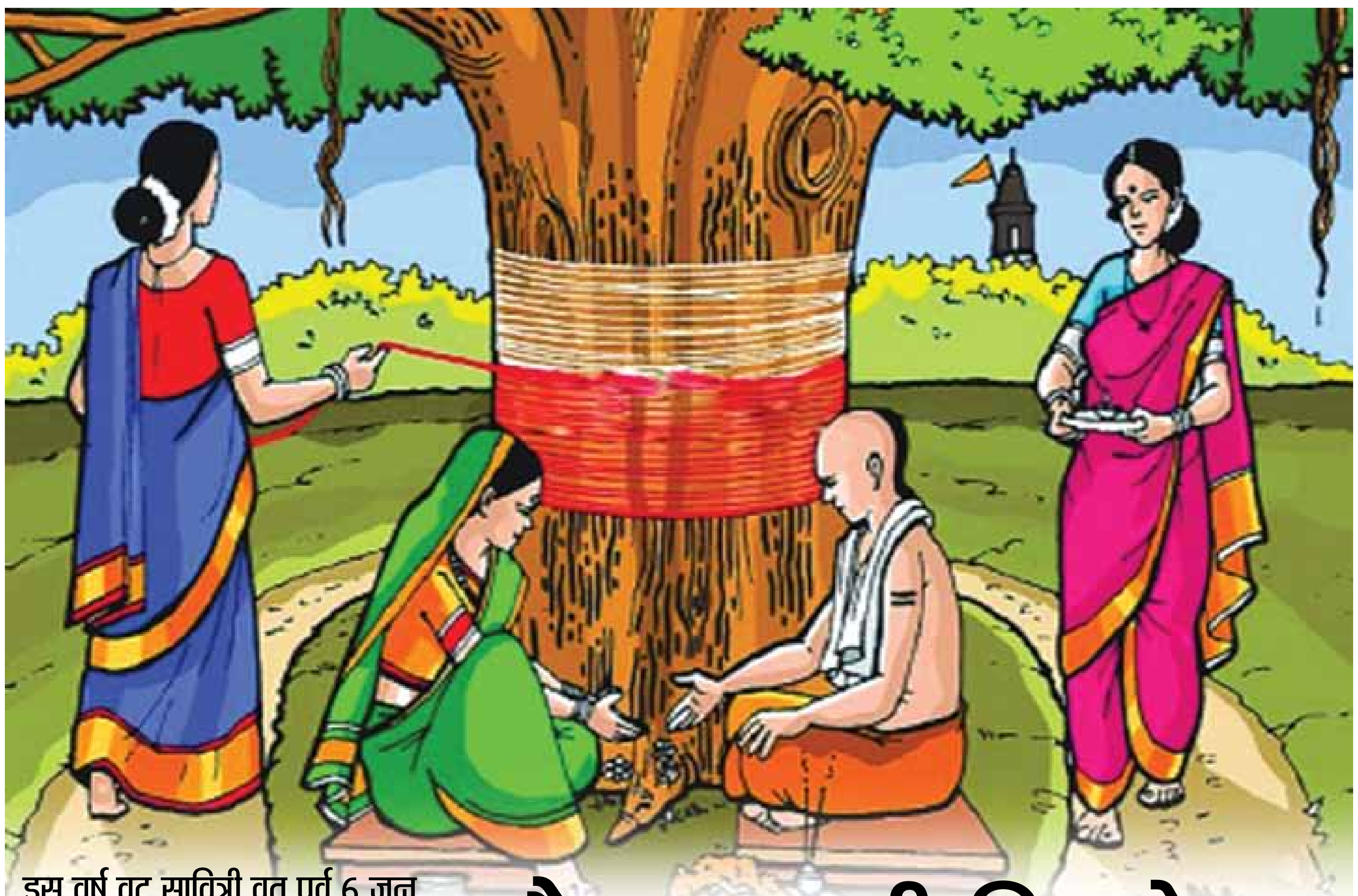

सौभाग्यवती स्त्रियों का महत्वपूर्ण पर्व है वट सावित्री

इस वर्ष वट सावित्री व्रत पर्व 6 जून, गुरुवार को मनाया जा रहा है। यह व्रत अखंड सौभाग्य पाने के लिए जाना जाता है। महिलाओं का वट सावित्री अमावस्या के दिन सावित्री ने यमराज से अपने पति सत्यवान के प्राणों की रक्षा की थी। हिन्दू धर्म में वट सावित्री अमावस्या सौभाग्यवती स्त्रियों का महत्वपूर्ण पर्व है। इस व्रत को ज्येष्ठ कृष्ण त्रयोदशी से अमावस्या तक तथा ज्येष्ठ शुक्ल त्रयोदशी से पूर्णिमा तक करने का विधान है।

मान्यता है कि वट सावित्री व्रत करने से पति दीर्घायु और परिवार में सुख शांति आती है। पुराणों के अनुसार वट वृक्ष में ब्रह्मा, विष्णु व महेश तीनों का वास है। इस व्रत में बरगद वृक्ष चारों ओर घूमकर सौभाग्यवती स्त्रियां रक्षा सूत्र बांधकर पति की लंबी आयु की कामना करती हैं। वट सावित्री व्रत में 'वट' और 'सावित्री' दोनों का खास महत्व माना गया है। पीपल की तरह ही वट या बरगद वृक्ष का भी विशेष महत्व है। इस व्रत को सभी प्रकार की स्त्रियां यानी कुमारी, विवाहिता, कुपुत्रा, सुपुत्रा, विधवा आदि करती हैं। इस व्रत को स्त्रियां अखंड सौभाग्यवती रहने की मंगलकामना से करती हैं। आजकल अमावस्या को ही इस व्रत का नियोजन होता है। इस दिन वट (बड़, बरगद) का पूजन होता है।

पूजा विधि

- वट सावित्री अमावस्या के दिन प्रात:काल घर की सफाई कर नित्य कर्म से निवृत्त होकर स्नान करें।
- तत्पश्चात पवित्र जल का पूरे घर में छिड़काव करें।
- इसके बाद बांस की टोकरी में सप्त धान्य भरकर ब्रह्मा की मूर्ति की स्थापना करें।
- ब्रह्मा के वाम पार्श्व में सावित्री की मूर्ति स्थापित करें।
- इसी प्रकार दूसरी टोकरी में सत्यवान तथा सावित्री की मूर्तियों की स्थापना करें। इन टोकरियों को वटवृक्ष के नीचे ले जाकर रखें।
- इसके बाद ब्रह्मा तथा सावित्री का पूजन करें।
- अब निम्न श्लोक से सावित्री को अर्घ्य दें–
  अवैधव्यं च सौभाग्यं देहि त्वं मम सुव्रते।
  पुत्रान्‌ पौत्रांश्च सौख्यं च गृहाणार्घ्यं नमोस्तुते।।
- तत्पश्चात सावित्री तथा सत्यवान की पूजा करके बड़ की जड़ में पानी दें।
- इसके बाद निम्न श्लोक से वटवृक्ष की प्रार्थना करें–
  यथा शाखाप्रशाखाभिर्वृद्धोसि त्वं महीतले।
  तथा पुत्रैश्च पौत्रैश्च सम्पन्नं कुरु मा सदा।।
- पूजा में जल, मौली, रोली, कच्चा सूत, भिगोया हुआ चना, फूल तथा धूप का प्रयोग करें।
- जल से वटवृक्ष को सींचकर उसके तने के चारों ओर कच्चा धागा लपेटकर 3 बार परिक्रमा करें।
- बड़ के पत्तों के गहने पहनकर वट सावित्री की कथा सुनें।
- भीगे हुए चनों का बायना निकालकर, नकद रुपए रखकर सासुजी के चरण स्पर्श करें।
- यदि सास वहां न हो तो बायना बनाकर उन तक पहुंचाएं।
- वट तथा सावित्री की पूजा के पश्चात प्रतिदिन पान, सिन्दूर तथा कुमकुम से सौभाग्यवती स्त्री के पूजन का भी विधान है। यही सौभाग्य पिटारी के नाम से जानी जाती है। सौभाग्यवती स्त्रियों का भी पूजन होता है। कुछ महिलाएं केवल अमावस्या को एक दिन का ही व्रत रखती हैं।
- पूजा समाप्ति पर ब्राह्मणों को वस्त्र तथा फल आदि वस्तुएं बांस के पात्र में रखकर दान करें।
- अंत में निम्न संकल्प लेकर उपवास रखें
  मम वैधव्यादिसकलदोषपरिहारार्थं
  ब्रह्मसावित्रीप्रीत्यर्थं
  सत्यवत्सावित्रीप्रीत्यर्थं च
  वटसावित्रीव्रतमहं करिष्ये।
- इस वट वृक्ष के नीचे सावित्री-सत्यवान की कथा को पढ़ने अथवा सुनने से मनोवांछित सुफल की प्राप्ति होती है।

वट सावित्री व्रत कब है, जानें तारीख, महत्व, शुभ मुहूर्त

इस साल 2024 में वट सावित्री व्रत 6 जून, गुरुवार के दिन है। वट सावित्री के दिन शनि अमावस्या या शनि जयंती भी है। वट सावित्री व्रत पर सुहागिनें अपने पति की लम्बी उम्र की कामना करते हुए व्रत रखती हैं। वट सावित्री व्रत के दिन अगर शुभ मुहूर्त पर वट वृक्ष की पूजा की जाए, तो वैवाहिक जीवन में सुख, शांति और समृद्धि का वास होता है।

इस साल वट सावित्री व्रत 6 जून, गुरुवार के दिन है। वट सावित्री व्रत को सावित्री अमावस्या या वट पूर्णिमा भी कहा जाता है। वट सावित्री के दिन सुहागिनें अपनी पति की लम्बी आयु के लिए व्रत रखती हैं। साथ ही अपने पति की कामयाबी और सुख-समृद्धि के लिए कामना भी करती हैं। वट सावित्री पर वट सावित्री के वृक्ष के साथ सत्यवान और सावित्री की पूजा भी की जाती है। वट सावित्री के दिन ही शनि अमावस्या भी है। इसे शनि जयंती भी कहा जाता है। ऐसे में वट सावित्री का महत्व और भी बढ़ जाता है। आप अगर शनिदेव की विशेष कृपा पाना चाहते हैं, तो वट वृक्ष यानी बरगद के पेड़ के साथ पीपल के पेड़ की पूजा भी कर सकते हैं, इससे आपको शनि के नकारात्मक प्रभावों से मुक्ति मिलेगी।

वट सावित्री पूजन का शुभ मुहूर्त

ज्येष्ठ माह की अमावस्या तिथि की शुरुआत 05 जून की शाम को 07 बजकर 54 मिनट से शुरू होगी और इसका समापन 6 जून को शाम 06 बजकर 07 मिनट पर होगी। इस कारण वट सावित्री 6 जून को ही मनाई जाएगी।

अमृत काल समय- 6 जून को सुबह 05.35 से लेकर सुबह 07.16 तक।

पूजन का शुभ मुहूर्त- 6 जून सुबह 08.56 से लेकर सुबह 10.37 तक।

पितरों का तर्पण करने का शुभ समय- दोपहर 12.45 से लेकर दोपहर 1.45 तक।

अपरा एकादशी व्रत से मिलता है अपार धन

ज्येष्ठ माह के कृष्ण पक्ष की एकादशी अपरा एकादशी या अचला एकादशी के नाम से जानी जाती है। मान्यता है कि अपरा एकादशी व्रत रखने से मनुष्य को अपार खुशियां मिलती हैं। साथ ही मनुष्य को सभी पापों से मुक्ति मिल जाती है। आइये जानते हैं गृहस्थ और वैष्णवजन के लिए क्या है अपरा एकादशी की सही डेट, साथ ही अपरा एकादशी पर शुभ योग कौन से हैं -

धार्मिक ग्रंथों के अनुसार अपरा एकादशी को कई नाम से जाना जाता है। जम्मू-कश्मीर, पंजाब और हरियाणा में इसे भद्रकाली एकादशी तो ओडिशा में जलक्रीड़ा एकादशी के नाम से जाना जाता है। मान्यता है कि इस व्रत को करने से व्यक्ति को असीमित या अपार धन की प्राप्ति होती है, इसी कारण इसे अपरा एकादशी कहा जाता है। साथ ही भगवान श्री कृष्ण ने राजा युधिष्ठिर से इसके संबंध में कहा था कि अपरा एकादशी व्रत को रखने वाला व्यक्ति पुण्य कर्मों के कारण जग में बहुत प्रसिद्ध होता है। साथ ही गंगा स्नान करने के समान लाभ प्राप्त करता है। इसके अलावा अपरा एकादशी का व्रत सभी पापों को नाश करने वाली और पापों की क्षमा दिलाकर मोक्ष दिलाने वाली है।

गृहस्थ के लिए अपरा एकादशी व्रत: रविवार 2 जून 2024

ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष एकादशी प्रारंभ: रविवार 02 जून 2024 को सुबह 05.04 बजे से

ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष एकादशी संपन्न: सोमवार 03 जून 2024 को सुबह 02.41 बजे

गृहस्थ के लिए अपरा एकादशी पारण का समय: सोमवार 3 जून 2024 सुबह 8.05 से 8.16 के बीच

पारण तिथि के दिन हरि वासर समाप्त होने का समय: 3 जून सुबह 08.05 बजे से

वैष्णवजन के लिए अपरा एकादशी: सोमवार, 3 जून 2024

वैष्णव अपरा एकादशी पारण का समय: मंगलवार 4 जून सुबह 05.34 बजे से सुबह 08.16 बजे तक

पारण के दिन द्वादशी सूर्योदय से पहले समाप्त हो जाएगी।

अपरा एकादशी पर शुभ योग

आयुष्मान योग: 2 जून को दोपहर 12.12 बजे तक

सौभाग्य योग: 3 जून सुबह 9.11 बजे तक

सर्वार्थ सिद्धि योग: 3 जून सुबह 01.40 बजे से सुबह 05.34 बजे तक

कब करना चाहिए अपरा एकादशी पारण

धार्मिक ग्रंथों के अनुसार अपरा एकादशी पारण एकादशी व्रत के अगले दिन सूर्योदय के बाद किया जाता है। लेकिन पारण द्वादशी तिथि समाप्त होने से पहले करना जरूरी है। यदि द्वादशी तिथि सूर्योदय से पहले समाप्त हो जाय तो एकादशी व्रत का पारण सूर्योदय के बाद ही होता है। द्वादशी तिथि के भीतर पारण न करना पाप करने के समान होता है। वहीं एकादशी व्रत का पारण हरि वासर (द्वादशी तिति की पहली एक चौथाई अवधि) के दौरान भी नहीं करना चाहिए। व्रत तोड़ने के लिए सबसे उपयुक्त समय सुबह होता है। लेकिन कोई बाधा है तो मध्याह्न के बाद पारण करना चाहिए।

इसके अलावा एकादशी व्रत लगातार दो दिनों के लिए होगा तो स्मार्त और परिवारजन को पहले दिन एकादशी व्रत करना चाहिए। वहीं दूसरे दिन वाली एकादशी यानी वैष्णव एकादशी को संन्यासियों, विधवाओं और मोक्ष प्राप्ति के इच्छुक श्रद्धालुओं को व्रत करना चाहिए।

शनि जयंती शनि देव की कृपा पाने का सबसे खास दिन है। अगर आप चाहते हैं कि शनि की असीम कृपा आप पर बनी रहे तो शनि जयंती के दिन ये 20 सरल उपाय आजमाएं और शनि देव से सुख-शांति का वरदान पाएं।

सरल उपाय शनिदेव को करेंगे प्रसन्न, सुख-शांति के लिए आजमाएं

इस बार ज्येष्ठ कृष्ण अमावस्या तिथि 6 जून, गुरुवार को है।

- शनि देव को उड़द की दाल की बूंदी के लड्डू बहुत प्रिय है अत: इस दिन लड्डू का भोग लगाकर बांटना चाहिए।
- शनि को दरिद्रों के नारायण भी कहते हैं इसलिए शनि जयंती पर दरिद्रों की सेवा से भी शनि प्रसन्न होते हैं।
- शनि जयंती पर असाध्य रोगों से ग्रस्त व्यक्ति को काला छाता, चमडे के जूते चप्पल पहनाने से शनि देव प्रसन्न होते हैं।
- शनि जयंती पर घर के तथा अन्य वृद्धों का सम्मान करें, क्योंकि शनि देव को वृद्धावस्था का स्वामी कहा गया है, जिस घर में माता पिता व वृद्धजनों का सम्मान होता है उस घर से शनि देव बहुत प्रसन्न होते हैं तथा जिस घर में वृद्ध का अपमान होता है उस घर से खुशहाली दूर भागती है।
- शनिवार को तेल की मालिश करके नहाना चाहिए, लेकिन शनि जयंती के दिन तेल की मालिश नहीं करें, बल्कि तेल का दान अवश्य करें।
- इस दिन लोहे की कोई वस्तु शनि मंदिर दान करनी चाहिए। वह वस्तु ऐसी हो जो मंदिर के किसी काम आ सके।
- शनि जयंती पर शनि मंदिर में बैठकर ऊँ एं श्री श्री शनैश्चराय का जाप करना चाहिए।
- शनि दोष के कारण उत्पन्न हो रही समस्याओं के लिए शनि जयंती के रोज भगवान भोलेनाथ व हनुमान जी की पूजा एक साथ करनी चाहिए।
- शनि जयंती पर शनि संबंधी कथा, शनि चालीसा, शिव चालीसा, बजरंगबाण, हनुमान बाहुक व हनुमान चालीसा का पाठ अवश्य करना चाहिए।
- इस दिन शनि मंदिर से शनि रक्षा कवच या काला धागा हाथ में बांधने के लिए अवश्य लें।
- शनि को मनाने के लिए शनि जयंती व्रत बहुत फलदायी है। यह व्रत करने वाले पर शनिदेव की असीम कृपा होती है।
- शनि जयंती के अवसर पर भगवान शिव का भस्म व तिलाभिषेक करना लाभदायी रहता है।
- इस दिन दशरथकृत शनि स्तोत्र का पाठ कम से कम 11 बार अवश्य करना चाहिए। इससे जीवन की परेशानियां और शनि के अशुभ प्रभाव से मिलने वाले बुरे फलों में कमी आती है।
- इसके अलावा इस दिन शनि चालीसा, शनैश्चरस्तवराज:, शिव चालीसा का पाठ तथा शनि देव की आरती भी करनी चाहिए। इस दिन कथा, शिव जी की आरती और मंत्रों का जाप करने से शनि संबंधित दोषों से मुक्ति मिलती है।
- शनि जयंती पर मंदिर में जाकर पार्थिव शिवलिंग का तेल से अभिषेक करना चाहिए तथा मंदिर में तेल, उड़द और तिल का दान करना चाहिए।
- शनि जयंती पर महाकाल के दर्शन करने से विशेष पुण्य फल मिलता है। अत: हो सके तो इस दिन महाकाल के दर्शन अवश्य करें।
- शनि जयंती पर भगवान भोलेनाथ को शकर का भोग लगाएं।
- शनि के अशुभ प्रभाव से बचाव के लिए शनि जयंती व्रत उत्तम होता है। यह व्रत करने वाले को इस दिन प्रात:काल में भगवान शिवशंकर की पूजा-अर्चना करनी चाहिए, तत्पश्चात शनि देव का पूजन करना चाहिए।
- इसके अलावा शिव जी का दूध, दही, घी, नर्मदा-गंगा जल, शहद से अभिषेक करना चाहिए।
- शनि जयंती के दिन निर्धन व्यक्ति को भोजन करवाएं तथा सफाईकर्मी को सिक्कों का दान अवश्य दें।

संक्षिप्त समाचार

कीवी विकेटकीपर बर्नाडिन बेजुइडेनहाउट ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से लिया संन्यास

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड की विकेटकीपर बर्नाडिन बेजुइडेनहाउट ने शुक्रवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की। हालांकि, 30 वर्षीय खिलाड़ी नॉर्दर्न डिस्ट्रिक्ट्स के लिए घरेलू क्रिकेट में भाग लेना जारी रखेंगी। 30 वर्षीय बेजुइडेनहाउट ने दक्षिण अफ्रीका के लिए 4 वनडे और 7 टी20 मैच खेले, उसके बाद वह न्यूजीलैंड चली गईं। बेजुइडेनहाउट ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में न्यूजीलैंड के लिए 16 वनडे और 22 टी20 मैच खेले हैं। विकेटकीपर-बल्लेबाज ने हाल ही में संपन्न टी20 विश्व कप में हिस्सा लिया था, जहां कीवी टीम नॉकआउट चरण में जगह बनाने में विफल रही थी। रेड-एस (खेल में सापेक्ष ऊर्जा की कमी) से पीड़ित होने के बाद वह लगभग दो साल तक क्रिकेट नहीं खेल पाई। बेजुइडेनहाउट ने 2023 में टी20 विश्व कप में न्यूजीलैंड के लिए वापसी की। बेजुइडेनहाउट ने एक बयान में कहा, "मैं इस निर्णय से संतुष्ट हूं, लेकिन यह निर्णय लेना आसान नहीं था। मैं पिछले कुछ समय से अपने काम और खेल के बीच संतुलन बनाने के लिए संघर्ष कर रही हूं, और बहुत सोचने और चिंतन करने के बाद मुझे लगता है कि यह सही समय है कि मैं अपना पूरा ध्यान द एपिक स्पोर्ट्स प्रोजेक्ट पर लगाऊं।" इससे पहले 2024 में, बेजुइडेनहाउट ने इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू मैदान पर न्यूजीलैंड के छह व्हाइट-बॉल मैचों में से पाँच में हिस्सा लिया था। लेकिन बाद में हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण उन्हें सीरीज़ से बाहर कर दिया गया। न्यूजीलैंड के मुख्य कोच बेन सॉयर ने राष्ट्रीय टीम में उनके सभी योगदानों के लिए बर्नाडिन को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा, "मैं बर्नी को मैदान पर व्हाइट फ़र्न्स के लिए उनके योगदान और मैदान के बाहर समूह में उनके द्वारा लाए गए देखभाल करने वाले गुणों के लिए धन्यवाद देता हूँ। हमें क्रिकेट के बाहर बर्नी द्वारा किए गए काम पर गर्व है और मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि वह कई लोगों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव डालना जारी रखेंगी।"

नामीबिया ने फीफा विश्व कप क्वालीफायर और रीजनल कप के लिए 30 सदस्यीय टीम घोषित की

विंडहोक। नामीबिया फुटबॉल एसोसिएशन (एनएफए) ने गुरुवार को जून में होने वाले आगामी अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों के लिए 30 सदस्यीय टीम की घोषणा की। चयनित 30 खिलाड़ियों को 52 खिलाड़ियों वाली प्रारंभिक अनंतिम टीम से चुना गया है, जो 14 मई से प्रशिक्षण शिविर में थी और 5 और 11 जून को दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में लाइबेरिया और ट्यूनीशिया के खिलाफ होने वाले फीफा विश्व कप क्वालीफायर मुकाबलों की तैयारी कर रही थी। अंतिम 30 सदस्यीय टीम जून के मध्य में शुरू होने वाले 2024 काउंसिल ऑफ साउथर्न अफ्रीका फुटबॉल एसोसिएशन कप में भी नामीबिया का प्रतिनिधित्व करेगी। स्थानीय और विदेशी खिलाड़ियों वाली इस टीम में तीन गोलकीपर, नौ डिफेंडर, 13 मिडफील्डर और पांच फॉरवर्ड शामिल हैं। क्वालीफायर के लिए नामीबिया को ग्रुप एच में ट्यूनीशिया, इक्वेटोरियल गिनी, मलावी, लाइबेरिया और साओ टोम और प्रिंसिपे के साथ रखा गया है।

नामीबिया की टीम इस प्रकार है- गोलकीपर- लोयड्ट काज़ापुआ, कामाइजांडा एनडिसिरो, जोनास मतेउस।

डिफेंडर्स- इवान कम्बेरिपा, चार्ल्स हम्बीरा, रियान हनामब, तुली नाशिक्सवा, जीपी कारूओम्बे, अरेंड अबूबकर, इरास्मस इकिंगे, पॉलस अमूतेन्या, एडमंड काम्बांडा।

मिडफील्डर्स- एडमर कामातुका, रोमियो कासुमे, ड्योन होट्टो, अप्परोसियस पेट्रस, मोसेस शिडोलो, इरास्ट्स कालुला, एंडीजिरारेरा महारेरो, लॉरेंस डोएसेब, फारेस हैदुला, बेन नामिब, पुनाजी काट्जीमुने, डेविड एंडीयूनेमा, रिकम्बुरा मुंडजुआ।

फॉरवर्ड्स- गोंजालेज टीसुबेब,पीटर शेलुलीली, बेथल मुजेउ, क्लोओफस यूसेब, मकेरटीने नवासेब।

जेमिमाह रोड्रिग्स, पूजा वस्त्राकर भारतीय टीम में शामिल, चयन फिटनेस पर निर्भर

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की महिला चयन समिति ने गुरुवार रात दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आगामी बहु-प्रारूप घरेलू श्रृंखला के लिए भारतीय टीम की घोषणा कर दी है। बल्लेबाज जेमिमाह रोड्रिग्स और ऑलराउंडर पूजा वस्त्राकर को टेस्ट और सीमित ओवरों की टीम में शामिल किया गया है, लेकिन उनका चयन फिटनेस पर निर्भर है। रोड्रिग्स अप्रैल-मई में बांग्लादेश में पांच मैचों की टी20 सीरीज में पीठ की चोट के कारण नहीं खेल पाई थीं और बेंगलुरु में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में रिहैब से गुजर रही थीं। हालांकि, वस्त्राकर ने बांग्लादेश में सभी पांच मैच खेले थे और बीसीसीआई के मीडिया बयान में उनकी चोट की प्रकृति के बारे में नहीं बताया गया। अनकैप्ड

विकेटकीपर-बल्लेबाज उमा छेत्री को भी तीनों टीमों में शामिल किया गया है। उन्होंने यास्तिका भाटिया की जगह ली जो बांग्लादेश में सिर्फ़ एक टी20 मैच खेलने के बाद चोटिल हो गई थीं। छेत्री 2023 में हांग्जो में श्रीलंका को हराकर स्वर्ण जीतने वाली भारत की एशियाई खेलों की टीम का भी हिस्सा थीं। शीर्ष क्रम की बल्लेबाज प्रिया पुनिया, जिन्होंने भारत के लिए आखिरी बार जुलाई 2023 में खेला था, को टेस्ट टीम में शामिल किया गया है। मध्यम गति की गेंदबाज अरुंधति रेड्डी, जिन्होंने अब तक 26 टी20 मैच खेले हैं, को भी टेस्ट और वनडे टीम में शामिल किया गया है। हालांकि, तेज गेंदबाज तीतस साधु, जो बांग्लादेश के खिलाफ टी20 मैचों के साथ-साथ भारत के आखिरी वनडे और टेस्ट असाइनमेंट (पिछले साल ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ) का हिस्सा थीं, को टीम में शामिल नहीं किया गया। दक्षिण अफ्रीका की महिला टीम का भारत दौरा तीन मैचों की वनडे सीरीज से शुरू होगा, फिर एक टेस्ट और तीन टी20 मैचों के साथ समाप्त होगा। वनडे और साथ ही बोर्ड प्रेसिडेंट इलेवन की टीम के खिलाफ मेहमान टीम का एक दिवसीय अभ्यास मैच बेंगलुरु में खेला जाएगा, जबकि बाकी मैच चेन्नई में होंगे। एक टेस्ट मूल रूप से आईसीसी के फ्यूचर टेस्ट प्रोग्राम (एफटीपी) का हिस्सा नहीं था। इसे इसलिए जोड़ा गया क्योंकि बीसीसीआई और क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका दोनों ही हाल ही में महिला टेस्ट को बढ़ावा देने की कोशिश कर रहे हैं। यह सात महीनों में भारत का तीसरा टेस्ट होगा, इससे पहले उसने पिछले साल दिसंबर में इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू मैदान पर खेला था।

भारत की वनडे टीमः हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उप-कप्तान), शैफाली वर्मा, दीप्ति शर्मा, जेमिमाह रोड्रिग्स (फिटनेस के अधीन), ऋचा घोष (विकेट कीपर), उमा छेत्री (विकेट कीपर), दयालन हेमलता, राधा यादव, आशा शोभना, श्रेयंका पाटिल, साइका इशाक, पूजा वस्त्राकर (फिटनेस के अधीन), रेणुका सिंह ठाकुर, अरुंधति रेड्डी, प्रिया पुनिया।

भारत की टेस्ट टीमः हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उप-कप्तान), शैफाली वर्मा, शुभा सतीश, जेमिमाह रोड्रिग्स (फिटनेस के अधीन), ऋचा घोष (विकेट कीपर), उमा छेत्री (विकेट कीपर), दीप्ति शर्मा, स्नेह राणा, साइका इशाक, राजेश्वरी गायकवाड़, पूजा वस्त्राकर (फिटनेस के अधीन), अरुंधति रेड्डी, रेणुका सिंह ठाकुर, मेघना सिंह, प्रिया पुनिया।

भारत की टी20 टीमः हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उप-कप्तान), शैफाली वर्मा, दयालन हेमलता, उमा छेत्री (विकेट कीपर), ऋचा घोष (विकेट कीपर), जेमिमाह रोड्रिग्स (फिटनेस के अधीन), सजाना सजीवन, दीप्ति शर्मा, श्रेयंका पाटिल, राधा यादव, अमनजोत कौर, आशा शोभना, पूजा वस्त्राकर (फिटनेस के अधीन), रेणुका सिंह ठाकुर, अरुंधति रेड्डी।

सिंगापुर ओपनः ट्रीसा जॉली-गायत्री गोपीचंद की जोड़ी सेमीफाइनल में

कल्लांग। ट्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की भारतीय महिला युगल जोड़ी ने शुक्रवार को दक्षिण कोरिया की किम सो यियोंग और कोंग ही योंग को हराकर सिंगापुर ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। जॉली और गोपीचंद ने महिला युगल क्वार्टर फाइनल मैच में अपने विरोधियों को 18-21, 21-19, और 24-22 से हराया। यह मैच एक घंटे 19 मिनट तक चला। भारतीय जोड़ी की शुरुआत खराब रही और वे पहला सेट 21-18 से हार गए। हालांकि, जॉली और गोपीचंद ने ओलंपिक कांस्य पदक विजेता जोड़ी के खिलाफ बिना किसी परेशानी के खेल में शानदार वापसी की। जॉली-गोपीचंद ने दूसरा और तीसरा सेट 21-19 और 24-22 से जीता। इससे पहले टूर्नामेंट में ट्रीसा जॉली

और गायत्री गोपीचंद ने मौजूदा ऑल इंग्लैंड चैंपियन बाक हा ना और ली सो ही को 59 मिनट तक चले मैच में 21-9, 14-21, 21-15 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई थी। इस बीच, गुरुवार को सिंगापुर ओपन 2024 में शीर्ष भारतीय शटलर पीवी सिंधु को दूसरे दौर में हार का सामना करना पड़ा। सिंधु को कैरोलिना मारिन के खिलाफ एक घंटे आठ मिनट तक चले तीन गेम के रोमांचक मुकाबले में 21-13, 11-21, 20-22 से हार का सामना करना पड़ा। यह सिंधु की मारिन के खिलाफ लगातार छठी हार थी। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी की सबसे हालिया जीत मलेशिया ओपन 2018 के क्वार्टर फाइनल में अपनी स्पेनिश प्रतिद्वंद्वी पर आई थी। अब विश्व बैडमिंटन रैंकिंग में 12वें स्थान पर काबिज सिंधु ने गुरुवार को मैच की अच्छी शुरुआत की। उन्होंने शुरुआत में ही अपना दबदबा कायम करके आसानी से पहला गेम जीत लिया। लेकिन मारिन ने वापसी की और दूसरा गेम जीत कर मैच को तीसरे सेट में ले गईं। हालांकि तीसरे गेम में एक समय सिंधु के पास 18-15 की बढ़त थी, लेकिन मारिन ने वापसी करते हुए रोमांचक मुकाबले में जीत हासिल की। नतीजतन, मारिन का वर्तमान में सिंधु पर 12-6 का हेड-टू-हेड रिकॉर्ड है। सिंगापुर ओपन के दूसरे दौर में भारत के शीर्ष पुरुष एकल खिलाड़ी एचएस प्रणय भी बाहर हो गए।

मुक्केबाजी विश्व ओलंपिक क्वालीफायरः सिवाच, संजीत, अमित, जैस्मीन प्री-क्वार्टर फाइनल में

बैंकॉक। चार भारतीय मुक्केबाजों ने पेरिस ओलंपिक क्वालीफिकेशन की ओर एक और कदम बढ़ाते हुए गुरुवार को बैंकॉक में चल रहे मुक्केबाजी विश्व क्वालीफायर के प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। सचिन सिवाच (57 किग्रा), संजीत कुमार (92 किग्रा), अमित पंघाल (51 किग्रा) और जैस्मीन (महिला 57 किग्रा) ने जीत दर्ज की। सिवाच ने प्री-क्वार्टर फाइनल राउंड में तुर्की के ओलंपियन बटुहान सिफ्त्सी पर 5-0 की शानदार जीत के साथ शुरुआत की। इसके बाद संजीत ने राउंड ऑफ 32 में वेनेजुएला के लुइस सांचेज की चुनौती को समान अंतर से हराया। नियमों के अनुसार, पुरुषों के 57 किग्रा वर्ग में केवल तीन मुक्केबाज ही पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर पाएंगे, इसलिए सिवाच को क्वालीफाई करने के लिए दो और मुकाबले जीतने होंगे, जबकि राउंड ऑफ 64 में बाई पाने वाले संजीत का लक्ष्य भी यही होगा क्योंकि उनके भार वर्ग में सभी चार सेमीफाइनलिस्ट क्वालीफाई

करेंगे। बाद में, जैस्मीन ने अजरबैजान की महसती हमजायेवा को कोई मौका नहीं दिया और महिलाओं की 57 किग्रा श्रेणी के राउंड ऑफ 32 मुकाबले में 5:0 के फैसले के साथ जीत हासिल की। 2022 राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता अमित पंघाल ने फिर भारतीय दल के लिए एक बेहतरीन दिन पूरा किया क्योंकि उन्होंने मैक्सिको के मौरिसियो रुइज़ को 4-1 से हराया। भारतीय राष्ट्रीय चैंपियन राउंड 1 में दबाव में थे, लेकिन उन्होंने उस राउंड के आखिरी मिनट में गति पकड़ी और फिर तीसरे और अंतिम राउंड में कुछ संयोजन मुक्कों के साथ मैच को पलट दिया और जीत हासिल की।

व्यापार

शुरुआती कारोबार में शेयर बाजार में मजबूती, 5 दिन बाद सेंसेक्स और निफ्टी में लौटी तेजी

नई दिल्ली। लगातार पांच कारोबारी दिन तक दबाव का सामना करने के बाद घरेलू शेयर बाजार में आज मजबूती नजर आ रही है। हालांकि शुरुआती कारोबार में उतार-चढ़ाव बना हुआ है। लेकिन फिलहाल सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक हरे निशान में ही कारोबार कर रहे हैं। पहले 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.27 प्रतिशत और निफ्टी 0.23 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। शुरुआती 1 घंटे के कारोबार के दौरान स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से अडाणी एंटरप्राइज, महिंद्रा एंड महिंद्रा, अल्ट्राटेक सीमेंट, लार्सन एंड टूब्रो और बजाज फाइनेंस के शेयर 3.04 प्रतिशत से लेकर

1.82 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर इंफोसिस, एलटी माइंडट्री, भारती एयरटेल, सिप्ला और टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स के शेयर 1.70 प्रतिशत से लेकर 1 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,134 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 1,155 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 979 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 25 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 5 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल शेयरों में से 37 शेयर हरे निशान में और 13 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे।

बीएसई का सेंसेक्स आज 322.93 अंक उछल कर 74,208.53 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के बाद खरीदारी का सपोर्ट मिलने की वजह से कुछ देर में ही ये सूचकांक करीब 600 अंक की छलांग लगा कर 74,478.89 अंक के स्तर पर पहुंच गया। लेकिन इसके बाद बाजार में मुनाफावसूली शुरू हो गई, जिसकी वजह से इस सूचकांक में गिरावट आ गई। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच पहले 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे सेंसेक्स 197.62 अंक की बढ़त के साथ 74,083.22 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 79.45 अंक की मजबूती के साथ 22,568.10 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलने के बाद खरीदारी का सपोर्ट मिलने के कारण ये सूचकांक करीब 165 अंक की तेजी के साथ 22,653.75 अंक के स्तर पर पहुंच गया। लेकिन इसके बाद बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में गिरावट आ गई। बाजार में लगातार जारी लिवाली और बिकवाली के बीच शुरुआती 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे निफ्टी 51.20 अंक की तेजी के साथ 22,539.85 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इसके पहले पिछले कारोबारी दिन गुरुवार को सेंसेक्स 617.30 अंक यानी 0.83 प्रतिशत की गिरावट के साथ 73,885.60 अंक के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं, निफ्टी ने 216.05 अंक यानी 0.95 प्रतिशत फिसल कर 22,488.65 अंक के स्तर पर गुरुवार के कारोबार का अंत किया था।

कच्चा तेल 82 डॉलर प्रति बैरल के करीब, पेट्रोल-डीजल की कीमत स्थिर

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव लगातार जारी है। ब्रेंट क्रूड का भाव 82 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 78 डॉलर प्रति बैरल के करीब है। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने शुक्रवार को पेट्रोल-डीजल के दाम में कोई बदलाव नहीं किया है। इस हफ्ते के पांचवें दिन शुरुआती कारोबार में ब्रेंड क्रूड 0.28 डॉलर यानी 0.34 फीसदी की गिरावट के साथ 81.58 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर ट्रेंड कर रहा है। वहीं, वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड भी 0.29 डॉलर यानी 0.37 फीसदी लुढ़क कर 77.62 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये और डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर है। मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। वहीं, कोलकाता में पेट्रोल का भाव 103.94 रुपये और डीजल 90.76 रुपये प्रति लीटर है, जबकि चेन्नई में पेट्रोल 100.75 रुपये और डीजल 92.34 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है।

बैंकों ने 2014 से लेकर 2023 के बीच 10 लाख करोड़ रुपये से अधिक डूबा कर्ज वसूला : सीतारमण

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अगुवाई वाली सरकार ने विभिन्न सुधारों और बेहतर प्रशासन के जरिए बैंकिंग क्षेत्र का कायापलट किया है। इसके दम पर बैंकों ने 2014 से लेकर 2023 के बीच 10 लाख करोड़ रुपये से अधिक डूबे कर्ज की वसूली की है। निर्मला सीतारमण ने 'एक्स' पोस्ट पर जारी एक बयान में बताया कि बैंकिंग क्षेत्र को देश की अर्थव्यवस्था का रीढ़ माना जाता है। हाल में भारत के बैंकिंग क्षेत्र ने 3 लाख करोड़ रुपये से अधिक का शुद्ध लाभ दर्ज करके एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। यह 2014 से पहले की स्थिति के बिल्कुल विपरीत है, जब इंडियन नेशनल कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार ने बैंकिंग क्षेत्र को खराब ऋणों, निहित स्वार्थों, भ्रष्टाचार और कुप्रबंधन के दलदल में बदल दिया था। उन्होंने कहा कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने करीब 1,105 बैंक धोखाधड़ी मामलों की जांच की है, जिसके तहत 64,920 करोड़ रुपये की अपराध आय जब्त की गई है। वित्त मंत्री ने कहा कि दिसंबर 2023 तक सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) को 15,183 करोड़ रुपये की संपत्ति वापस कर दी गई है। वित्त मंत्री ने कहा कि मोदी सरकार ने डूबे

कर्ज (खासकर बड़े डिफॉल्टर से) की वसूली में कोई ढील नहीं बरती है, यह प्रक्रिया निरंतर जारी है। वित्त मंत्री ने कहा कि यह दुख की बात है कि विपक्षी नेता अब भी 'राइट-ऑफ' और माफी के बीच का अंतर नहीं कर पा रहे हैं। आरबीआई के दिशा-निर्देशों के अनुसार 'राइट-ऑफ' के बाद बैंक सक्रिय रूप से डूबे कर्ज की वसूली करते हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी उद्योगपति के कर्ज को 'माफ' नहीं किया गया है। 2014 से 2023 के बीच बैंकों ने खराब ऋणों से 10 लाख करोड़ रुपये से अधिक की वसूली की है।

रिजर्व बैंक ने ब्रिटेन से 100 टन सोना अपने भंडार में स्थानांतरित किया

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने 1991 के बाद पहली बार ब्रिटेन से 100 टन से ज्यादा सोना अपने भंडार में स्थानांतरित किया है। ऐसा पहली बार हुआ है, जब इतने बड़े पैमाने पर इस कीमती धातु को स्थानीय स्तर पर रखे गए स्टॉक में जोड़ा गया है। सूत्रों ने शुक्रवार को बताया कि आने वाले समय में फिर से इतनी ही मात्रा में सोना देश में आ सकता है। जानकारी के मुताबिक आरबीआई ने कुछ साल पहले सोना खरीदना शुरू किया था। चूंकि यह स्टॉक विदेशों में जमा हो रहा था इसलिए कुछ सोना भारत लाने का फैसला किया गया है। बैंक ऑफ इंग्लैंड पारंपरिक रूप से कई केंद्रीय बैंकों के लिए स्वर्ण भंडार गृह रहा है। भारत इससे अलग नहीं है, स्वतंत्रता पूर्व के दिनों से लंदन में पीली धातु यानी सोना के कुछ स्टॉक पड़े हुए हैं, जिसे भारत लाया गया है।

सर्राफा बाजार की तेजी पर लगा ब्रेक, सस्ता हुआ सोना, चांदी में भी गिरावट

नई दिल्ली। लगातार तीन दिन तक तेजी दिखाने के बाद घरेलू सर्राफा बाजार की महंगाई पर आज ब्रेक लगता नजर आ रहा है। देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट और 22 कैरेट सोना पिछले दिन के मुकाबले 500 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हुआ है। भाव में आई इस गिरावट के कारण चेन्नई के अलावा देश के अन्य सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 73 हजार रुपये के स्तर से नीचे चला गया है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी आज चेन्नई के अलावा दूसरे सर्राफा बाजारों में 67 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर से गिर कर बिक रहा है। सोने की तरह ही आज चांदी के भाव में भी गिरावट आई है। आज की कमजोरी के कारण आज दिल्ली सर्राफा बाजार में

चांदी 96,400 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 72,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 66,840 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई। इसी तरह मुंबई में 24 कैरेट सोना 72,750 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 66,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जबकि चेन्नई में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 73,410 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 67,290 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा अहमदाबाद में 24 कैरेट सोना आज 72,800 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 66,740 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 72,750 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 66,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर पहुंचा हुआ है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 72,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 66,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 72,780 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 66,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 72,900 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 66,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने की कीमत में आज गिरावट आई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 72,750 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 66,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

बॉक्स ऑफिस पर राजकुमार राव की श्रीकांत की कमाई जारी

जानिए 19वें दिन का कारोबार

तुषार हीरानंदानी के निर्देशन में बनी फिल्म श्रीकांत में राजकुमार राव मुख्य भूमिका में हैं, जिन्होंने दृष्टिहीन उद्योगपति श्रीकांत बोला बन दर्शकों का दिल जीत लिया है। हालांकि, यह बॉक्स ऑफिस पर उम्मीद के मुताबिक कमाई नहीं कर पाई।पिछले कुछ दिनों से फिल्म की कमाई में उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है और रिलीज के तीसरे सप्ताह इस फिल्म का कारोबार लाखों में सिमट गया है।अब श्रीकांत के 19वें दिन के कमाई के आंकड़े भी सामने आए हैं। बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, श्रीकांत ने रिलीज के 19वें दिन 90 लाख रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 38.75 करोड़ रुपये हो गया है।श्रीकांत में राजकुमार की जोड़ी पहली बार अलाया एफ के साथ बनी है। फिल्म में ज्योतिका और शरद केलकर भी अहम भूमिका में हैं। सभी के अभिनय की जमकर प्रशंसा हो रही है।बॉक्स ऑफिस पर श्रीकांत का सामना मनोज बाजपेयी की फिल्म भैया जी से हो रहा है। राजकुमार जल्द ही फिल्म मिस्टर एंड मिसेज माही में नजर आएंगे। इसमें उनकी जोड़ी जाह्नवी कपूर के के साथ बनी है। उनकी यह फिल्म 31 मई को रिलीज होने वाली है।इसके अलावा वह श्रद्धा कपूर के साथ फिल्म स्त्री 2 में मुख्य भूमिका निभाएंगे।फिल्म विक्की विद्या का वो वाला वीडियो भी उनके खाते से जुड़ी है, जिसमें अभिनेत्री तृप्ति डिमरी उनकी जाड़ीदार बनी हैं।ड्रीम गर्ल 2 के निर्देशक राज शांडिल्य इसका निर्देशन कर रहे हैं।

हिना खान के साथ नामाकूल पर काम करना रहा कूल और बवाल: साक्षी म्हाडोलकर

उभरती सितारा साक्षी म्हाडोलकर ने अभी हाल ही में अपने नए शो नामाकूल पर काम करने के एक्सपीरियंस को शेयर किया। उन्होंने ऐसे प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने पर अपने आप को खुश किस्मत माना और अपने उत्साह व्यक्त किया। शो पर काम करने के अपने अनुभव को कूल और बवाल बताते हुए साक्षी ने हिना खान के साथ काम करने के अनुभव को भी ख़ास बताया। शो के प्रोडक्शन प्रोसेस के बारे में बात करते हुए साक्षी म्हाडोलकर ने बताया कि सेट पर शुरू से ही बहुत खुशनुमा माहौल होता था। उन्होंने आगे कहा, शो नामाकूल में काम करना बहुत ही कूल और बवाल अनुभव रहा। बहुत ही अच्छी टीम थी और शो के सेट की वाइब बहुत पॉजिटिव थी। मुझे याद है जिस दिन से हमने शो को लेकर तैयारी शुरू की थी, हमने बहुत मजा किया और वह मजा स्क्रीन पर भी नजर आ रहा है। हम लोगों के एंटरटेनमेंट के लिए कुछ बनाना चाहते थे। यह एक लाइट हार्टेड और फन शो है जिसको आप अपने दोस्तों और परिवार वालो के साथ देख सकते है। इस शो को बनाने की जो इंटेंशन थी, वह स्क्रीन पर साफ़ नजर आ रही है। यह मेरा पहला प्रोजेक्ट है, मैंने इस प्रोजेक्ट पर इतने बेहतरीन लोगों के साथ काम किया है और डायरेक्टर रितम श्रीवास्तव के साथ काम करने का मौका मिला, मुझे लगता है मैं भगवान का पसंदीदा बच्चा हूँ। शो में साक्षी ने हिना खान के साथ काम किया है और उनके साथ काम करने को लेकर वह बहुत उत्साहित नजर आयी। उन्होंने हिना खान की शालीनता और प्रोफेशनलिज्म की तारीफ की और उनसे पहली बार मिलने के अपने अनुभव को शेयर किया, जब मैं उनसे पहली बार मिली , मैं हैरान रह गयी। वह अंदर और बाहर दोनों से ही बेहद खूबसूरत है और वह अच्छे से जानती है कि वह क्या कर रही है। वह एक रानी है। बड़े एक्टर्स के साथ के साथ सीमाएं बनाए रखने की सलाह सुनने के बावजूद, साक्षी ने हिना खान को बेहद विनम्र, मददगार और दयालु पाया। उनके लिए यह एक चैलेंज था कि उनके किरदार निहारिका को हिना के किरदार रुबिया के प्रति दुश्मनी दिखानी थी ,जबकि रियल लाइफ में वह उनको बहुत पसंद करती है। जब अपने खुद के एक्टिंग प्रोसेस की बात करनी हो, तो साक्षी अपने आप को एक एक्स्प्लोरर के रूप में देखती है। वह अभी भी सीखने के चरण में है और अपने किरदारों में गहराई जोडने के नए तरीके खोज रही है।उन्होंने कहा, अभी मैं एक एक्स्प्लोरर हूँ। मेरा कोई प्रोसेस नहीं है , मैं सीख रही हूं, खोज रही हूँ और जो किरदार मैं निभा रही हूँ ,उनमे कुछ नया डालने की कोशिश कर रही हूँ। मुझे अपने डायरेक्टर पर पूरा भरोसा है, मैं उन्हें अपने लिए एक दुनिया बनाने देती हूँ और उसमे अपनी भूमिका निभाती हूँ। मैं अपनी पूरी तैयारी करती हूँ, सेट ओर जाने से पहले अपना होमवर्क पूरा करके जाती हूँ। अपने नए प्रोजेक्ट के बारे में बात करते हुए साक्षी ने कहा, मैं अपने नए प्रोजेक्ट पर काम कर रही हूँ. हमने शूट शुरू कर दिया है। यह एक वेब शो है जो थोड़ा थ्रिलिंग, किलिंग और एक्साइटिंग है। रितम श्रीवास्तव द्वारा निर्देशित इस श्रृंखला में हिना खान, अभिनव शर्मा, फैसल मलिक, अनुष्का कौशिक, सतीश बादल, अभिषेक बजाज, साक्षी म्हाडोलकर, आरोन अर्जुन कौल शामिल हैं।

फिल्म पुष्पा 2 का दूसरा गाना अंगारों हुआ रिलीज

अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना की जोड़ी देख फैंस हुए दिवाने

अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना स्टारर पुष्पा 2ः द रूल इस साल 2024 की सबसे बड़ी रिलीज़ में से एक है। मेकर्स ने हाल ही में पुष्पा पुष्पा नामक पहला ट्रैक रिलीज़ किया और 28 मई को फैंस को सूसेकी (द कपल सॉन्ग) नामक दूसरे गाने का पोस्टर दिखाया। मेकर्स ने अब आखिरकार फिल्म का दूसरा ट्रैक रिलीज़ कर दिया है जिसमें पुष्पा राज और श्रीवल्ली अपने आकर्षक अवतार में नज़र आ रहे हैं। मेकर्स ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर सूसेकी का पोस्टर शेयर किया और लिखा, पुष्पा राज और श्रीवल्ली के साथ जुड़ें, क्योंकि वे सुपर आकर्षक प्तपुष्पा2सेकंडसिंगल प्तदकपलसॉन्ग पर थिरक रहे हैं। यह ट्रैक पुष्पा के मेकर्स के लिए एक और हिट होने वाला है, क्योंकि मोस्ट अवेटेड फिल्म की रिलीज नजदीक आ रही है। पुष्पाः द राइज़ 2021 में रिलीज़ हुई थी, उस समय जब लोग महामारी के कारण सिनेमाघरों में लौटने से हिचकिचा रहे थे। इस फ़िल्म ने न केवल दर्शकों को रोमांचित किया, बल्कि बॉक्स ऑफ़िस के कई रिकॉर्ड भी तोड़े। सीक्वल को वहीं से शुरू किया जाएगा, जहाँ पहले भाग ने छोड़ा था, जिसमें अल्लू अर्जुन, रश्मिका मंदाना, फ़हाद फ़ासिल, प्रकाश राज, जगपति बाबू, जगदीश प्रताप बंडारी और कई अन्य कलाकार अहम भूमिकाओं में हैं।

समुंद्र किनारे मोनालिसा ने बेहद ग्लैमरस पोज देकर ढाया कहर

तस्वीरों में देखें एक्ट्रेस का स्टनिंग अवतार

भोजपुरी एक्ट्रेस मोनालिसा हमेशा अपने स्टनिंग और बोल्ड लुक्स से इंटरनेट पर कहर बरपाती रहती हैं। उनका हर लुक सोशल मीडिया पर पोस्ट होते ही वायरल होने लगता है। हाल ही में मोनालिसा ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनका मस्तीभरा अंदाज देखकर फैंस उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे हैं। टीवी इंडस्ट्री की खूबसूरत और बोल्ड अभिनेत्रियों में से एक मोनालिसा हमेशा अपनी लेटेस्ट पोस्ट से सोशल मीडिया पर बवाल मचाती रहती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट हॉट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच साझा की हैं। इन तस्वीरों में उनका हॉटनेस भरा अंदाज देखकर फैंस मदहोश हो गए हैं। बता दें एक्ट्रेस मोनालिसा जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं फैंस उनकी हर एक पोस्ट पर अपनी-अपनी प्रतिक्रियाएं देते हुए नहीं थकते हैं। इन तस्वीरों में देख सकते हैं एक्ट्रेस मोनालिसा ने ब्लू कलर का थाई स्लिट स्कर्ट और क्रॉप टॉप पहना हुआ है, जिसमें वो किलर अंदाज में पोज देती हुई एक से बढक़र एक पोज दे रही हैं। सिर पर हेट, खुले बाल और न्यूड मेकअप कर के एक्ट्रेस मोनालिसा ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। साथ ही उनके चेहरे पर प्यारी सी स्माइल एक्ट्रेस के लुक पर चार चांद लगा रही है। समुंद्र के किनारे एक्ट्रेस मोनालिसा खूबसूरत तस्वीरें क्लिक करवाती हुई और साथ ही मौसम का लुत्फ उठाती हुई नजर आ रही हैं। उनका ये अवतार देखकर फैंस भी कॉमेंट्स करने से नहीं रुक रहे हैं। बता दें एक्ट्रेस की फैन फॉलोइंग लिस्ट काफी तगड़ी है। उनका हर एक लुक देखने के लिए फैंस काफी बेताब रहते हैं।

तमिल-तेलुगु में धूम मचा चुकी है तमन्ना-राशि की अरनमनई 4

अब 31 मई को हिंदी में होगी रिलीज

सुंदर सी द्वारा निर्देशित फिल्म अरनमनई 4 एक कॉमेडी हॉरर फिल्म है। फिल्म में अभिनेत्री तमन्ना भाटिया,राशि खन्ना और सुंदर सी मुख्य भूमिकाओं में नजर आए थे। फिल्म इस साल ही 3 मई को तमिल और तेलुगु में रिलीज हुई थी। फिल्म को दर्शकों को जबर्दस्त प्यार मिला। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर काफी अच्छी कमाई की थी। तमिल और तेलुगु में रिलीज हुई फिल्म ने 100 करोड़ से भी ज्यादा की कमाई की थी। अब यह फिल्म हिंदी में भी जल्द ही रिलीज होने वाली है। क्षेत्रीय भाषा में रिलीज होने और सौ करोड़ से भी ज्यादा का कारोबार करने के बाद फिल्म अब हिंदी भाषी दर्शकों के दिल को जीतने आ रही है। फिल्म को हिंदी में 31 मई को रिलीज किया जाएगा। अभिनेत्री तमन्ना भाटिया ने खुद इसकी पुष्टि की है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर फिल्म के हिंदी ट्रेलर को साझा किया है। उनके फैंस फिल्म के ट्रेलर को लेकर काफी उत्साहित हैं। फिल्म के निर्माताओं को उम्मीद है कि फिल्म फिर से एक बार अपना जादू बिखेरने में कामयाब हो जाएगी। हिंदी में बावेजा स्टूडियोज इसे रिलीज कर रहा है। यह मशहूर अरनमनई फ्रेंचाइजी की चौथी कड़ी है। अरनमनई 4 इस फ्रेंचाइजी की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन गई है। फिल्म को समीक्षकों से भी मिश्रित और सकरात्मक प्रतिक्रिया मिली थी। ऐसे में देखने वाली बात होगी कि हिंदी दर्शकों को यह फिल्म कितना पसंद आती है। फिल्म में तमन्ना भाटिया और राशि खन्ना के अलावा सुंदर सी,वेनेला किशोर, सुनील, योगी बाबू, श्रीनिवास रेड्डी , केएस रवि कुमार सहित कई शानदार कलाकारों ने अभिनय किया है। फिल्म का निर्माण खुशबू सुंदर और एसीएस अरुण कुमार ने किया है। वहीं, फिल्म में हिपहॉप तमिझा ने संगीत दिया है।

फिल्म इंडियन 2 का गाना धागे हुआ रिलीज, एक-दूजे संग इश्क फरमाते दिखे रकुल और सिद्धार्थ

कमल हासन की फिल्म इंडियन 2 इस साल की चर्चित फिल्मों में से एक है। यह फिल्म 1996 में आई इंडियन का सीक्वल है।इस फिल्म का हिंदी संस्करण हिंदुस्तानी 2 से रिलीज किया जाएगा। फिल्म का पहला भाग हिंदुस्तानी नाम से रिलीज हुआ था।रकुल प्रीत सिंह और सिद्धार्थ भी फिल्म का हिस्सा हैं।अब निर्माताओ ने हिंदुस्तानी 2 का गाना धागे जारी कर दिया है, जिसमे रकुल और सिद्धार्थ एक-दूजे के साथ इश्क फरमाते नजर आ रहे हैं। धागे गाने के मनोज मुंतशिर शुक्ला ने लिखे है। एबी वी और श्रुतिका समुद्रला ने इस गाने को अपनी आवाज दी है।हिंदुस्तानी 2 12 जुलाई, 2024 को सिनेमाघरों में दस्तक देने को तैयार है। काजल अग्रवाल भी इस फिल्म मे नजर आएंगी।बॉक्स ऑफिस पर इंडियन 2 का सामना अक्षय कुमार और राधिका मदान की फिल्म सरफिरा से होगा।इनके अलावा जॉन अब्राहम और शरवरी वाघ की फिल्म वेदा भी 12 जुलाई को सिनेमाघरों का रुख करेगी। रिपोर्ट्स के अनुसार, सिद्धार्थ इंडियन 2 में एक ऐसे व्यक्ति की भूमिका निभा रहे हैं, जो भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ रहा है। इंडियन 2 का एल्बम 1 जून को चेन्नई के नेहरू इंडोर स्टेडियम में भव्य तरीके से लॉन्च किया जाएगा। कहा जा रहा है कि इस कार्यक्रम के लिए चिरंजीवी, राम चरण, रणवीर सिंह और मोहनलाल को आमंत्रित किया गया है। ऑडियो लॉन्च के बारे में आधिकारिक घोषणा अभी बाकी है। निर्देशक शंकर की इंडियन 2 साल 1996 में सिनेमाघरों में रिलीज हुई फिल्म इंडियन का सीक्वल है। वहीं बात करें फिल्म के कलाकार के बारे में तो इसमें कमल हासन के साथ काजल अग्रवाल, रकुल प्रीत सिंह, प्रिया भवानी शंकर, सिद्धार्थ, समुथिरकानी, बॉबी सिम्हा, ब्रह्मानंदम और अन्य महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। फिल्म का निर्माण लाइका प्रोडक्शंस और रेड जाइंट मूवीज ने मिलकर किया है। अनिरुद्ध रविचंदर ने धुनें बनाई हैं। इंडियन 2 12 जुलाई को तीन भाषाओं में सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

मनोज बाजपेयी की फिल्म भैया जी की हालत पस्त

5वें दिन का कारोबार रहा सबसे कम

अपूर्व सिंह कार्की के निर्देशन में बनी फिल्म भैया जी लोगों को सिनेमाघरों तक खींचने में नाकाम साबित हुई।इसमें दिग्गज अभिनेता मनोज बाजपेयी मुख्य भूमिका में हैं, जिन्होंने एक बार फिर अपनी उम्दा अदाकारी का लोहा मनवाया है।इसके बावजूद यह शुरुआत से बॉक्स ऑफिस पर तरस रही है। फिल्म की दैनिक कमाई लाखों में सिमटी हुई है।अब भैया जी की कमाई के पांचवें दिन के आंकड़े सामने आए हैं, जो अब तक का सबसे कम कारोबार है। बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, भैया जी ने रिलीज के पांचवें दिन (मंगलवार) 80 लाख रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 6.70 करोड़ रुपये हो गया है।भैया जी के जरिए मनोज ने बतौर निर्माता अपनी शुरुआत की है। यह फिल्म इसलिए खास है, क्योंकि 30 साल के करियर में यह मनोज की 100वीं फिल््?म है।विनोद भानुशाली, कमलेश भानुशाली, शैल ओसवाल और विक्रम खाखर जैसे सितारों ने भी इस फिल्म का हिस्सा हैं। बिहार की पृष्ठभूमि पर बुनी गई भैया जी की कहानी बिहारी बाबू, राम चरण त्रिपाठी (भैया जी) के जीवन को दर्शाती है।त्रिपाठी अपने परिवार, अपने लोगों और समाज के लिए जीने वाला एक सीधा-साधा शख्स है, जिसका अपना एक अतीत होता है।

दिव्या की सवी: ए ब्लडी हाउसवाइफ का गाना खोल पिंजरा जारी

सुनिधि चौहान ने लगाए सुर

पिछले कुछ दिनों से अभिनेत्री दिव्या खोसला कुमार अपनी आगामी फिल्म सवीः ए ब्लडी हाउसवाइफ को लेकर सुर्खियां बटोर रही है।इन दिनों अभिनेत्री इसी फिल्म के प्रचार-प्रसार में व्यस्त हैं। फिल्म की एडवांस बुकिंग शुरू हो गई है।यह फिल्म 31 मई, 2024 को सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है।अब इससे पहले निर्माताओं ने सवीः ए ब्लडी हाउसवाइफ का गाना खोल पिंजरा जारी कर दिया है, जिसे सुनिधि चौहान ने अपनी आवाज दी है। खोल पिंजरा गाने के बोल रितजया बनर्जी ने लिखे हैं।अनिल कपूर और हर्षवर्धन राणे भी इस फिल्म का अहम हिस्सा हैं।फिल्म के निर्देशन की कमान अभिनय देव ने संभाली है, वहीं मुकेश भट्ट इस फिल्म के निर्माता हैं। बॉक्स ऑफिस पर सवी का सामना राजकुमार राव और जाह्नवी कपूर की फिल्म मिस्टर एंड मिसेज माही से होगा। निर्माताओं ने दर्शकों को तोहफा दिया है। दरअसल, सिनेमा प्रेमी दिवस के मौके पर (31 मई) आप इस फिल्म को 99 रुपये में देख सकते हैं।निर्माताओं ने लिखा, इस सिनेमा प्रेमी दिवस पर पूरे भारत में सिर्फ 99 रुपये में सवी के साथ बेहतरीन सिनेमा अनुभव का आनंद लें। ताजा खबर यह है कि फिल्म सवीः ए ब्लडी हाउसवाइफ की एंडवास बुकिंग शुरू हो चुकी है।